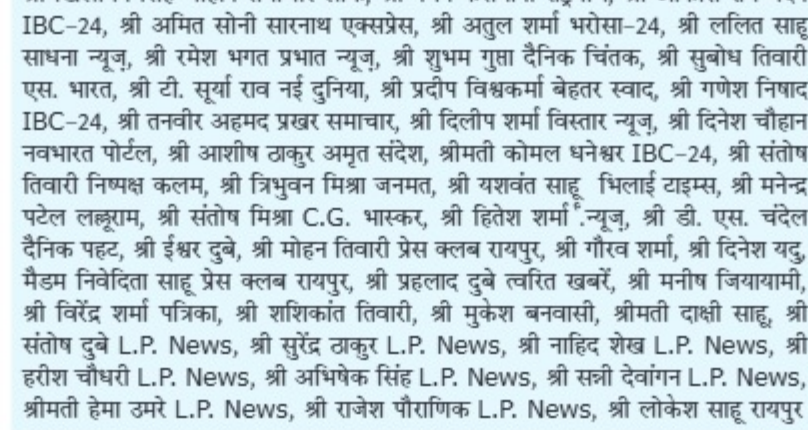


लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 91 ● भिलाई, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

'लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रथम वर्षगांठ पर मनाया गया 'नक्सल मुक्त उत्सव-2026' अमर शूरवीर शहीदों, चिकित्सकों और कलमवीरों का किया गया सम्मान'



भिलाई। लोकतंत्र की मजबूती, राष्ट्रसेवा, मानवता और निर्भीक पत्रकारिता के मूल्यों को समर्पित लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भिलाई के सोए भवन में 'छत्तीसगढ़ राज्य नक्सल मुक्त उत्सव-2026' का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश की सुरक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शूरवीर शहीदों के परिजनों, चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सकों और समाज की आवाज बुलंद करने वाले कलमवीरों पत्रकार बन्धुओं का सम्मान किया गया। अमर शूरवीर शहीदों के परिजनों का सम्मान कर उनके त्याग, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण को नमन किया गया।

कार्यक्रम में दुर्ग सांसद विजय बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं पूर्व संघ संचालक बिसरा राम यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशीला साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभुनाथ मिश्रा, वीएसएफ के डीआईजी दीपक तिवारी तथा सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट दीपक सवालखिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय से प्रेरित सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह में देशप्रेम और राष्ट्रसेवा की भावना का संचार किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक डॉ. संजय

तिवारी ने संस्था की स्थापना के उद्देश्यों, सामाजिक सरोकारों और जनहित के प्रति निष्ठा और दायित्वों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों के प्रकाशन या प्रसारण का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रति जवाबदेही निभाने और जनहित के मुद्दों को निर्भीकता से सामने लाने का सशक्त माध्यम है। संस्था का उद्देश्य निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता के साथ सामाजिक चेतना को मजबूत करना, राष्ट्रहित के कार्यों को प्रोत्साहित करना और समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को उचित सम्मान प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करते हुए समाज और राष्ट्र के हित में निरंतर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल ने लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रथम वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित इस अभिनव कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमर शूरवीर शहीदों के परिजनों, चिकित्सकों और कलमवीरों पत्रकार भाइयों को एक मंच पर सम्मानित करना लोकतंत्र की वास्तविक भावना को प्रदर्शित करता है। देश की सुरक्षा में जवानों का योगदान, मानवता की सेवा में चिकित्सकों की भूमिका और समाज को जागरूक करने में पत्रकारों का दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

इन्हे किया गया सम्मानित

"अमर वीर शहीद राष्ट्र गौरव सम्मान"

शहीद आर. अश्वनी सिंह राजपूत के परिजन, शहीद कौशल यादव के परिजन, शहीद हीराधर प्रसाद ठाकुर के परिजन, शहीद मनोज सिंह के परिजन, शहीद दुर्वासाला निषाद के परिजन, शहीद आर. 186 अमित नायक के परिजन, शहीद लॉफ कर्नल कपिलदेव पाण्डेय के परिजन, शहीद पी. सी. शंकर राव के परिजन, शहीद सुरजीत सिंह के परिजन, शहीद चुम्पन यादव के परिजन, शहीद युवराज सिंह के परिजन, शहीद डी. राजाराम के परिजन

"धनवंतरी सेवा रत्न सम्मान"

स्व. डॉ. एस. ए. रिजवी, स्व. डॉ. एस. पी. केसरवानी, डॉ. आशीष मिश्र 'सिविल सर्जन दुर्ग', डॉ. रंजन सेनगुप्ता, डॉ. के. के. जैन, डॉ. वाई. के. शर्मा, डॉ. लाल मोहम्मद, डॉ. धनेश मिश्रा लाल पगारीया, डॉ. राजीव कुमार जैन, डॉ. मधुमती जैन, डॉ. अनुपम लाल, डॉ. दीप चटर्जी, डॉ. रतन तिवारी, डॉ. आर. आर. माण्डले, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. बी. आर. साहू, डॉ. रचना अग्रवाल, डॉ. संजय बालबान्दे, डॉ. छाया भारती, डॉ. दीपक बंसल, डॉ. विश्वामित्र बी. दयाल, डॉ. नीरज भुसाखरे, डॉ. संगीता पात्रे, डॉ. दीपक सिन्हा, डॉ. विमलेश धर, डॉ. पूजा सिंह, डॉ. एम. ए. विवेक कुमार, डॉ. विनता धुर्वे, डॉ. तरुण धर, डॉ. शुभम अग्रवाल, डॉ. आशीष चन्द देवांगन, डॉ. जे. एस. भाटिया, डॉ. वन श्री सिन्हा, डॉ. पूजा वर्मा, डॉ. बसंत चौरसिया, डॉ. दिनेश क्षत्री, डॉ. जी. गौतम, डॉ. मौसम खुबानी, डॉ. अश्वनी शुक्ला, डॉ. हिमांशु चंद्राकर, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. सपना मिश्रा, डॉ. विशाल गौड़, डॉ. सुमित सोनी, डॉ. ममता साहू, डॉ. संदीप ओझा

"देवर्षि नारद प्रकाशिता शिरोमणि सम्मान"

श्री ओजस धर्मपालन वार्ता न्यूज, श्री शिवनाथ शुक्ला तरुण छत्तीसगढ़, श्री राजेंद्र ठाकुर नवभारत, श्री जय प्रकाश आर्या, श्री अभय जवादे आकाशवाणी, श्री अनिल गुप्ता A.N.I., सुश्री भावना पाण्डेय क्रॉनिकल न्यूज, श्री अशोक पंडा उत्कल मेल, श्री सुनील चौहान, श्रीमती संगीता मिश्रा हरिभूमि, श्री के. मोहन राव कंचन पथ, श्री सतीश वर्मा देशबंधु, श्री रमेश गुप्ता आज की जनधारा, श्री आनंद ओझा INH-24, श्री हर्षा भाटिया दैनिक पहट, श्री आलोक तिवारी दृष्टि बिंदु, श्री अरविंद सिंह महाकौशल, श्री शिव श्रीवास्तव श्रम बिंदु, श्री सुधीर सिंह अग्रदूत, श्री रामा राव श्रम बिंदु, श्री राजेंद्र सोनभोई नवभारत, श्री विमल शंकर झा हरिभूमि, श्री राजेंद्र गोस्वामी सबेरा संकेत, श्री हर्ष शुक्ला RNI, श्री योगेश गुप्ता राज प्रकाश, श्री उमाशंकर गिरी पत्रिका, श्री योगेश दुबे दैनिक भास्कर, श्री अनुराग शर्मा दैनिक भास्कर, डॉ. कमल किशोर शर्मा पंच न्यूज, श्री अरुण मिश्रा दैनिक पहट, श्रीमती वीणा दुबे ट. भास्कर, श्री खिलान सिंह चौहान समाचार लोक, श्री पवन कसवानी राष्ट्रबोध, श्री आकाश राव मदन IBC-24, श्री अमित सोनी सारनाथ एक्सप्रेस, श्री अतुल शर्मा भरोसा-24, श्री ललित साहू साधना न्यूज, श्री रमेश भगत प्रभात न्यूज, श्री शुभम गुप्ता दैनिक चिंतक, श्री सुबोध तिवारी एस. भारत, श्री टी. सूर्या राव नई दुनिया, श्री प्रदीप विश्वकर्मा बेहतर स्वाद, श्री गणेश निषाद IBC-24, श्री तनवीर अहमद प्रखर समाचार, श्री दिलीप शर्मा विस्तार न्यूज, श्री दिनेश चौहान नवभारत पोर्टल, श्री आशीष ठाकुर अमृत संदेश, श्रीमती कोमल धनेश IBC-24, श्री संतोष तिवारी निष्पक्ष कलम, श्री त्रिभुवन मिश्रा जनमत, श्री यशवंत साहू भिलाई टाइम्स, श्री मनेन्द्र पटेल लक्ष्मण, श्री संतोष मिश्रा C.G. भास्कर, श्री हितेश शर्मा न्यूज, श्री डी. एस. चंदेल दैनिक पहट, श्री ईश्वर दुबे, श्री मोहन तिवारी प्रेस क्लब रायपुर, श्री गौरव शर्मा, श्री दिनेश यदु, मैडम निवेदिता साहू प्रेस क्लब रायपुर, श्री प्रहलाद दुबे त्वरित खबरें, श्री मनीष जियायामी, श्री विवेक शर्मा पत्रिका, श्री शशिकांत तिवारी, श्री मुकेश बनवासी, श्रीमती दाक्षी साहू, श्री संतोष दुबे L.P. News, श्री सुरेंद्र ठाकुर L.P. News, श्री नाहिर शेख L.P. News, श्री हरीश चौधरी L.P. News, श्री अभिषेक सिंह L.P. News, श्री सनी देवांगन L.P. News, श्रीमती हेमा उमरे L.P. News, श्री राजेश पौराणिक L.P. News, श्री लोकेश साहू रायपुर

पांच संभागों के 595 खिलाड़ी दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

● सांसद चिंतामणि महाराज ने बास्केट में बॉल डालकर किया चार दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ

अम्बिकापुर। सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में शुक्रवार को 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का रंगारंग शुभारंभ हुआ। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मल्टीपरपज स्कूल) के खेल मैदान में आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने बास्केट में बॉल डालकर किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा संभाग के 595 खिलाड़ी एवं प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। शुभारंभ समारोह में विद्यार्थियों ने ध्वज नृत्य, पारंपरिक गीत-संगीत और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता की झलक प्रस्तुत की। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ उनके व्यक्तित्व



निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जैसे गुण विकसित होते हैं। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह जीवन में चुनौतियों का सामना करने, निरंतर प्रयास करने और सफलता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। खेलों के माध्यम से आपसी सद्भाव, सहयोग और राष्ट्रीय एकता की भावना भी मजबूत होती है। सांसद महाराज ने प्रतियोगिता में शामिल सभी संभागों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी को पूरी लगन, अनुशासन और खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ

प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हार और जीत जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन एक अच्छे खिलाड़ी की पहचान उसके समर्पण, मेहनत और सकारात्मक खेल भावना से होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास के माध्यम से अपनी प्रतिभा निखारने और राज्य स्तर से आगे बढ़कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। सांसद ने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रतियोगिता में शामिल होने पहुंचे सभी संभागों के खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

चार दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

अम्बिकापुर में 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित इस राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और सॉफ्ट टेनिस की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत 19 वर्ष आयु वर्ग के बालकों की फुटबॉल, 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं की बास्केटबॉल तथा 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की बैडमिंटन और सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इस आयोजन में प्रदेश के पांचों संभागों से आए खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त करने और उच्च स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर मिल रहा है। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ नई खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, निरंतर अभ्यास और अनुशासन पर दिया जोर

शुभारंभ समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, महापौर मंजूषा भगत और नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों से सीखने और अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती हैं। जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के माध्यम से बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। महापौर मंजूषा भगत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्वच्छता की शुरुआत अपने घर और आसपास के परिवेश से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गांवों और शहरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की अपील की।

वार्ड क्रमांक 16 में सुनी गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' की 139वीं कड़ी



बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 139वें एपिसोड को आज वार्ड क्रमांक 16 में सुनने का अवसर मिला। 25 अक्टूबर 2026 को प्रसारित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों से संवाद करते हुए समाजसेवा, जनभागीदारी और देश के आम नागरिकों के प्रेरणादायी कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री जी ने 'मन की बात' के 12 वर्षों के सफर को याद करते हुए इसे देशवासियों के परिश्रम, समर्पण और सेवा भाव को जानने की तीर्थयात्रा बताया। उन्होंने पंजाब में प्राकृतिक कपास की खेती एवं पारंपरिक बुनाई को बढ़ावा देने, उत्तराखंड में हेलन नदी के संरक्षण और दीपावली-छठ के अवसर पर स्वच्छता बनाए रखने

जैसे विषयों पर भी बात की। साथ ही स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। प्रधानमंत्री जी का संदेश हमें प्रेरणा देता है कि हम समाजहित के कार्यों में सहभागिता निभाएं, स्वच्छता अपनाएं और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दें। मन की बात सुनने का उद्देश्य है — देश के प्रेरणादायी विचारों को आत्मसात करना और उन्हें अपने जीवन में उतारना इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा शहर मण्डल अध्यक्ष युगल देवागन सभापति नीतू कोठारी सभापति गौरव साहू सोसायटी अध्यक्ष दोहाई वर्मा भानु साहू चन्द्रशेखर वर्मा देव राम साहू अभय निर्भय पप्पू देवांगन मनीष छबड़ा रोशन वर्मा गजाधर साहू सूरज साहू अथवा साहू सुरेन्द्र साहू।

सौर ऊर्जा से रोशन होंगी उम्मीदें, जोरातराई के ग्रामीण जीवन में आएगा उजियारा

● बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कार्यों में होगी सहूलियत, स्वच्छ ऊर्जा से ग्रामीण विकास को मिल रही नई दिशा

धमतरी। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में धमतरी जिले के ग्राम जोरातराई के सड़क पार में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियों का प्रतिस्थापन ग्रामीणों के जीवन में सुविधाओं का नया उजियारा लेकर आया है। छत्तीसगढ़ राज्य अग्रथ ऊर्जा विकास अधिकरण (क्रेडा) द्वारा की गई इस पहल से सौर ऊर्जा



संयंत्र की भंडारण क्षमता बेहतर होगी और ग्रामीण परिवारों को विद्युत सुविधा का अधिक प्रभावी लाभ मिल सकेगा। यह प्रयास न केवल स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित संसाधनों के समुचित रखरखाव और उनकी निरंतर उपयोगिता सुनिश्चित करने का भी उदाहरण है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व

क्रेडा ने बदली सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियां

में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

शासन की इसी पहल के अनुरूप क्रेडा द्वारा सौर ऊर्जा संयंत्रों के संचालन एवं संधारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को उपलब्ध ऊर्जा सुविधाओं का निरंतर लाभ मिल सके। धमतरी जिले के ग्राम जोरातराई के सड़क पार में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियों की क्षमता प्रभावित होने से ऊर्जा भंडारण और विद्युत आपूर्ति में कठिनाई उत्पन्न होने की संभावना थी। इसे ध्यान में रखते हुए क्रेडा द्वारा संयंत्र की पुरानी

बैटरियों का प्रतिस्थापन किया गया। इससे संयंत्र की कार्यक्षमता बनाए रखने और सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली का आवश्यकता के अनुरूप उपयोग सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता केवल प्रकाश का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, घरेलू गतिविधियों और बेहतर जीवन स्तर का महत्वपूर्ण आधार है। विशेषकर शाम और रात्रि के समय पर्याप्त रोशनी बच्चों की पढ़ाई तथा परिवारों के दैनिक कार्यों के लिए आवश्यक होती है। ग्राम जोरातराई के सड़क पार में सौर ऊर्जा संयंत्र की बैटरियां बदले जाने से ग्रामीण परिवारों को इन सुविधाओं का बेहतर लाभ मिलने की उम्मीद है।

● 251.71 करोड़ रुपये मूल्य की 1,659 संपत्तियां बिकीं, पूर्ववर्ती OTS योजना की तुलना में विक्रय प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों को कृषायती दरों पर आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियां उपलब्ध कराने तथा वर्षों से रिक पड्डी संपत्तियों के बेहतर उपयोग की दिशा में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी.



चौधरी के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना के अंतर्गत अब तक 62.5 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय किया जा चुका है। योजना के माध्यम से कुल 251.71 करोड़ रुपये मूल्य की 1,659 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों का विक्रय हुआ है। OTS-2 योजना के अंतर्गत कुल 2,656 संपत्तियों को विक्रय के लिए शामिल किया गया था। इनमें से अब केवल 997 संपत्तियां विक्रय के लिए शेष हैं,

जिनका कुल मूल्य 134.40 करोड़ रुपये है। योजना की सफलता से जहां वर्षों से रिक पड्डी संपत्तियों का उपयोग सुनिश्चित हो रहा है, वहीं आम नागरिकों को रियायती दरों पर अपना घर एवं व्यावसायिक परिसर प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा है। वन टाइम सेटलमेंट योजना-2 की उपलब्धि पूर्व में संचालित हज़र-योजना की तुलना में उल्लेखनीय रही है। सितंबर 2021 से मार्च 2024 तक संचालित पूर्ववर्ती वन टाइम

सेटलमेंट योजना के अंतर्गत लगभग 511 करोड़ रुपये मूल्य की 2,591 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों को शामिल किया गया था। इस अवधि में कुल 88.28 करोड़ रुपये मूल्य की 506 संपत्तियों का विक्रय हुआ था, जिसमें विक्रय का प्रतिशत 17.27 रहा था। वहीं वर्तमान हज़र-2 योजना में अब तक 62.5 प्रतिशत संपत्तियों का विक्रय हो चुका है। इस प्रकार पूर्ववर्ती योजना की तुलना में वर्तमान योजना के विक्रय प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की संपत्ति विक्रय व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलाव तथा रियायती दरों पर संपत्तियां उपलब्ध कराने की नीति के प्रभावी परिणामों को दर्शाती है।

राशन दुकान में 22.90 लाख का गबन, 527 क्विंटल चावल गायब, तीन गिरफ्तार



बेमेतरा। नांदघाट - छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकान में बड़े गबन का मामला सामने आया है। नांदघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत टेमरी की राशन दुकान में भौतिक सत्यापन के दौरान 527 क्विंटल से अधिक चावल और करीब 22 क्विंटल नमक गायब मिला है। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि नागरिक आपूर्ति निगम के खाते में फवरी और मार्च बहीने की अग्रिम राशि भी जमा नहीं की गई थी। कुल मिलाकर 22 लाख 90 हजार 910

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से प्रदेश के श्रद्धालुओं को मिल रहा निःशुल्क तीर्थ दर्शन का अवसर

जांजगीर-चांपा जिले के 277 तीर्थयात्री पुरी, कोणार्क और भुवनेश्वर रवाना

जांजगीर-चांपा। संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को प्रमुख तीर्थस्थलों के निःशुल्क दर्शन का अवसर मिल रहा है। योजना के तहत जांजगीर-चांपा जिले के 277 तीर्थयात्रियों को चांपा रेलवे स्टेशन से पुरी, कोणार्क और भुवनेश्वर की यात्रा के लिए रवाना किया गया।



यह यात्रा 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, जिला पंचायत सदस्य उमा राजेन्द्र राठौर एवं राज कुमार साहू, नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, इंजी. रवि पांडेय सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर देन को रवाना किया और तीर्थयात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता

आनंद मिरी ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए लाभकारी है। योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख तीर्थस्थलों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। चार दिवसीय यात्रा के दौरान तीर्थयात्री पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन करेंगे। इसके साथ ही वे कोणार्क के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर और भुवनेश्वर के प्रमुख धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे।

यात्रा के दौरान प्रशासन द्वारा भोजन, चिकित्सा, ठहरने और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। रवाना हो रहे श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपने खर्च पर भगवान जगन्नाथ के दर्शन करना कठिन था। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से उनका वर्षों पुराना सपना पूरा होने जा रहा है।

कृषक उन्नति योजना से फसल विविधीकरण को मिल रहा बढ़ावा, किसानों के लिए खुल रहे आय के नए अवसर

● धान की जगह अदरक की खेती कर रहे सरगुजा के युवा किसान अभिषेक सिंह, बेहतर आमदनी की उम्मीद

सरगुजा। छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित कर रही है। राज्य शासन की कृषक उन्नति योजना किसानों को परंपरागत धान की खेती के साथ वैकल्पिक एवं अधिक लाभकारी फसलों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है। योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि से किसानों को खेती में नए प्रयोग करने और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने का अवसर मिल रहा है। इसी पहल से प्रेरित होकर सरगुजा जिले के युवा किसान अभिषेक सिंह ने धान के स्थान पर अदरक की खेती अपनाकर फसल विविधीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है। सरगुजा जिले की



दरिमा तहसील अंतर्गत ग्राम लिबरा निवासी युवा किसान अभिषेक सिंह, पिता मदन सिंह, पूर्व में अपनी कृषि भूमि पर मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। इस वर्ष उन्होंने अपनी लगभग आधा एकड़ भूमि में धान के स्थान पर अदरक की फसल लगाई है। अभिषेक सिंह को उम्मीद है कि अदरक की खेती से उन्हें धान की तुलना में बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। उनका यह प्रयास दर्शाता है कि शासन की प्रोत्साहन योजनाओं से प्रेरित होकर किसान परंपरागत खेती के साथ नई संभावनाओं की ओर आगे बढ़ रहे हैं। युवा किसान अभिषेक सिंह बताते हैं कि खेती को

अधिक लाभकारी बनाने के लिए नई फसलों और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ उन्होंने इस वर्ष धान के स्थान पर अदरक की खेती करने का निर्णय लिया। उन्हें उम्मीद है कि अदरक की अच्छी पैदावार और बाजार में उचित मूल्य मिलने से उनकी आमदनी बढ़ेगी। हालांकि, फसल की बिक्री के बाद ही वास्तविक लाभ और मुनाफे का आकलन हो सकेगा। उनका मानना है कि शासन की ओर से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि किसानों को वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने के लिए अतिरिक्त आर्थिक संबल प्रदान करती है।

डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर चार्ज अधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के निर्माण में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका : संभागायुक्त

● जनगणना में कोई भी व्यक्ति और परिवार छूटने न पाए, आंकड़ों की शुद्धता और सटीकता सुनिश्चित करने के निर्देश

अम्बिकापुर। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यक्रमों और नीतियों के प्रभावी निर्माण एवं क्रियान्वयन में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जनगणना से प्राप्त जानकारी के आधार पर विभिन्न



क्षेत्रों की आवश्यकताओं का आकलन करने और विकास की प्राथमिकताएं निर्धारित करने में सहायता मिलती है। इसलिए जनगणना कार्य पूरी गंभीरता, सावधानी और जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया जाना आवश्यक है। यह बात सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र

कुमार दुग्गा ने अम्बिकापुर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही। डिजिटल जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना कार्य की तैयारियों को लेकर

आयोजित प्रशिक्षण में जिले के चार्ज अधिकारी, तहसीलदार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी शामिल हुए। संभागायुक्त दुग्गा ने अधिकारियों को जनगणना कार्य की महत्ता से अवगत करते हुए कहा कि जनगणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति और परिवार की जानकारी का सही एवं सटीक संकलन सुनिश्चित किया जाए। इस कार्य में विशेष सावधानी बरती जाए, ताकि कोई भी व्यक्ति अथवा घर गणना से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े शासन को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार,

अधोसंरचना विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में योजनाएं तैयार करने और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता प्रदान करते हैं। संभागायुक्त दुग्गा ने सभी चार्ज अधिकारियों को जनगणना संबंधी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से अध्ययन करने और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य से जुड़े प्रत्येक अधिकारी को निर्देश पुस्तिका की पूरी जानकारी होनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की शंका अथवा तकनीकी समस्या

का समाधान मास्टर ट्रेनर्स से प्राप्त कर लिया जाए, ताकि मैदानी स्तर पर कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने और जनगणना कार्य से संबंधित सभी पहलुओं को भलीभांति समझने को कहा। संभागायुक्त ने सरगुजा संभाग में जनगणना के प्रथम चरण के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि द्वितीय चरण में भी इसी

प्रतिबद्धता और समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनगणना को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों के संकलन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि भविष्य की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करने का कार्य है। दुग्गा ने आम नागरिकों से भी जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना के द्वितीय चरण में प्रणालों द्वारा घर-घर पहुंचकर जनसंख्या संबंधी

जानकारी दर्ज की जाएगी। नागरिक प्रणालों को अपने परिवार से संबंधित सही, पूर्ण एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे जनगणना के आंकड़ों की विश्वसनीयता और शुद्धता सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय, नवा रायपुर से आए मास्टर ट्रेनर्स ने कम्प्यूटर आधारित प्रस्तुतिकरण (पीपीटी) के माध्यम से चार्ज अधिकारियों को जनगणना की प्रक्रिया, आवश्यक दिशा-निर्देशों तथा डिजिटल माध्यम से जानकारी संकलित करने के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया।

संक्षिप्त समाचार

नवरात्रि-दशहरा पर्व पर रायपुर नॉर्थ जोन पुलिस की कार्रवाई 177 लोगों पर शिकंजा

रायपुर। नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कमिश्नरेट रायपुर के नॉर्थ जोन पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 177 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की। 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक चले इस अभियान में पांच थाना क्षेत्रों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के साथ आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट और जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, त्योहारों के दौरान आम नागरिकों एवं ब्रह्मालुओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने तथा असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। कार्रवाई थाना खमतगढ़ी, गुडियारी, उरला, पंडरी और खम्हारडौह पुलिस द्वारा की गई। पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन मती दीपमाला कश्यप के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आदित्य पांडे के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त पंडरी कृष्ण कुमार चंद्राकर एवं सहायक पुलिस आयुक्त उरला सु पुर्णिमा लामा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कुल 120 प्रकरणों में 143 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत 57 प्रकरणों में 68 व्यक्ति तथा धारा 126 और 135(3) के तहत 63 प्रकरणों में 75 व्यक्ति शामिल हैं। त्योहारों के दौरान अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विभिन्न अधिनियमों के तहत भी कार्रवाई की गई। इसका विवरण इस प्रकार है इस प्रकार 11 से 20 अक्टूबर 2026 के बीच नॉर्थ जोन के पांचों थानों में कुल 149 प्रकरणों में 177 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। नॉर्थ जोन पुलिस ने त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी तरह की अव्यवस्थित गतिविधि को रोकने के लिए लगातार सतर्कता बतौी। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने नागरिकों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने लोगों से कहा है कि किसी भी संदिग्ध या अव्यवस्थित गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके और शहर में कानून-व्यवस्था बनी रहे।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने पीडब्लूडी आवासीय परिसर का किया गया निरीक्षण

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने राजनांदगांव-डोंगरगांव-चौकी-मोहला-मानपुर मार्ग सहित मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में प्रगतिरत विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला मुख्यालय मोहला में निर्माणाधीन संयुक्त जिला कार्यालय भवन, सर्किट हाउस तथा लोक निर्माण विभाग के आवासीय परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। बंसल ने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्यों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों को नियमित निगरानी करने तथा कार्यों में आवश्यक समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए, ताकि निर्माण कार्य समय पर पूर्ण हों सके। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने 99.20 किलोमीटर लंबाई के राजनांदगांव-डोंगरगांव-चौकी-मोहला-मानपुर मार्ग का निरीक्षण कर सड़क की स्थिति एवं संबंधित कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच संपर्क को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पूरी सतर्कता और गंभीरता से इसका रखरखाव होना चाहिए। बंसल के सड़क और निर्माणधीन कार्यों के निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, दुर्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता एन.के. जयंत और अधीक्षण अभियंता मती अर्पणा चौपरगार भी मौजूद थीं।

कांग्रेस और पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज भारतीय परम्परा, संवैधानिक संस्थाओं और आदिवासी समाज का अपमान करना बन्द करें : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज और कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि कांग्रेस का चरित्र सदैव से भारतीय परम्पराओं और देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध रहा है। श्री ठाकुर ने सवाल दागा कि भारत की सनातन परंपरा 'अतिथि देवो भवः' की रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज इस परंपरा को स्वीकार करने से क्यों कतराते हैं? भाजपा प्रवक्ता श्री ठाकुर ने कहा कि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बरत दौरा पूरे छत्तीसगढ़, समस्त प्रदेशवासियों और विशेषकर आदिवासी व जनजातीय समाज के लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व का विषय है। ऐसे अवसर पर राष्ट्रपति का इद्दय से स्वागत करने के बजाय कांग्रेस का जो नकारात्मक रुख सामने आ रहा है, वह अत्यंत निन्दनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री ठाकुर ने तीखे शब्दों में सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस आखिर क्यों भारतीय परम्पराओं को नहीं मानती?

प्रथम पृष्ठ का शेष

अमर शूरवीर शहीदों, चिकित्सकों और कलमवीरों का किया गया सम्मान

अमर शूरवीर शहीदों के परिवारों का सम्मान करना उनके त्याग और बलिदान के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। उन्होंने संस्था के इस प्रयास को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रसेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

लोकतंत्र प्रहरी के इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि शामिल हुवे पूर्व संघ संचालक बिसरा राम यादव ने मंच पर अमर शूरवीर शहीदों के परिजनों, चिकित्सकों और पत्रकारों को एक साथ सम्मानित होते देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करने वाले सभी लोगों का अपना विशिष्ट महत्व है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करे, तो राष्ट्र और समाज को नई दिशा मिल सकती है। ऐसे आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले लोगों के योगदान को पहचान दिलाने के साथ दूसरों को भी प्रेरित करते हैं। इस



अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री रमशीला साहू और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभुनाथ मिश्रा ने भी लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता देना और राष्ट्र व समाज के लिए समर्पित लोगों का सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने संस्था से भविष्य में भी इसी तरह निखरता, निष्पक्षता और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहने की अपेक्षा जताई।

सीआईएसएफ के डिप्टी कमांडेंट दीपक सवालखिया ने आयोजन की सराहना करते हुए जवानों की व्यावहारिक कठिनाइयों और उनकी समस्याओं की ओर मंच पर उपस्थित दुर्ग सांसद विजय बघेल का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने जवानों से जुड़ी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने केंद्र सरकार तक जवानों की बात पहुंचाने की पहल करने की बात कही। उनके उद्बोधन ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र की



सुरक्षा में तैनात जवानों के सम्मान के साथ-साथ उनकी व्यावहारिक समस्याओं को समझना और उनका समाधान सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है।

अमर शूरवीर शहीदों के परिजनों का सम्मान समारोह, कार्यक्रम की विशेष गरिमा रहा जिसने उपस्थित लोगों को देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछरवर करने वाले वीरों के त्याग और बलिदान का स्मरण कराया।

आयोजन के माध्यम से लोकतंत्र प्रहरी

मीडिया ग्रुप ने अपने प्रथम वर्ष की उपलब्धि को केवल उत्सव तक सीमित न रखते हुए राष्ट्रसेवा, सामाजिक सम्मान और जिम्मेदार पत्रकारिता के संकल्प के साथ यादगार बनाया।

कार्यक्रम में डॉ. रजन सेन गुप्ता, डॉ. के.के.जैन, डॉ. अनुपम लाल, डॉ. विश्वामित्र बी. दयाल, डॉ. दीपक सिन्हा, डॉ. छाया भारती, डॉ. शुभम अग्रवाल, डॉ. दिनेश क्षत्री, डॉ. वन श्री सिन्हा, डॉ. जी. गौतम मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति के सम्मान कार्यक्रम पर कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति

कांग्रेस हट अच्छे काम में निकालती है खोट : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

■ कांग्रेस का काम केवल विरोध करना, जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं : डिप्टी सीएम अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि, कांग्रेस को किसी भी अच्छे काम में अच्छाई दिखाई नहीं देती। राष्ट्रपति मती द्रौपदी मुर्मू जी ने सेवा सम्मान पर्व में रक्तदान करने वाली छत्तीसगढ़ की 11 हजार से अधिक महिलाओं का सम्मान किया। लेकिन माताओं का यह



सम्मान उनसे देखा नहीं जा रहा है। उन्होंने युवा प्रबोधन में राज्य के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस पर भी उन्हें दर्द हो रहा है। साव ने कहा कि राष्ट्रपति जी ने पून्य माता साहिब ह्रासी देवी की 200वें जयंती पर 200 रुपए का स्मारक सिका जारी किया। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा में

शामिल हुई। कांग्रेस को यह सब भी अच्छा नहीं लग रहा है। यह उसकी नकारात्मक मानसिकता को दर्शाता है। साव ने कहा कि कांग्रेस आज भी ऐसे मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है, जिनसे आम लोगों का कोई सरोकार नहीं है। जिस नेतृत्व में कांग्रेस 100 चुनाव हार चुकी है, उसके बावजूद कांग्रेस अपनी रणनीति बदलने को तैयार नहीं है। ईवीएम, चुनाव आयोग और एसआईआर जैसे विषयों पर बार-बार सवाल उठाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पूरा ध्यान राहुल गांधी को लांच करने पर है। जब प्रोडक्ट ही खराब है तो वह कभी लांच हो नहीं सकता है, इसलिए बार बार वह फेल होंगे।

अथ उद्यम से ग्रामीण महिलाओं को मिलेगी नई पहचान,अब छोटे व्यवसाय बनेंगे सफल उद्यम..

■ पूरे राज्य से एक हजार से अधिक आवेदन प्राप्त, 31 अक्टूबर तक आवेदन का अवसर

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं को आजीविका से आगे बढ़कर सफल उद्यमी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक अभिनव पहल की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अर्पणा भारतीय संस्थान (आईआईएम) रायपुर के फ़ाउंडेशन

फ़ार एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफ़ईडी) की संयुक्त पहल अथ उद्यम ग्रामीण महिला उद्यमियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के छोटे व्यवसायों को व्यवस्थित, लाभकारी और विस्तार योग्य उद्यमों के रूप में विकसित करना है। आजीविका से उद्यमिता की ओर की अवधारणा पर आधारित इस विशेष इन्क्यूबेशन कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 11 सितंबर 2026 को की थी। पहल को लेकर महिला उद्यमियों में उत्साह देखा जा रहा है। अब तक पूरे राज्य से एक हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इच्छुक महिलाएं 31 अक्टूबर 2026 तक आनलाइन आवेदन कर सकती हैं। अथ उद्यम की विशेषता यह है

कि इसमें महिलाओं को केवल व्यवसाय शुरू करने या संचालित करने का प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि उनके मौजूदा उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए व्यावहारिक सहायता भी दी जाएगी। चयनित महिला उद्यमियों को 64 घंटे का चरणबद्ध व्यवसाय विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही एक वर्ष तक विशेषज्ञों का परामर्श, व्यक्तिगत मार्गदर्शन, क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग और सफल उद्यमियों के अनुभवों से सीखने के अवसर उपलब्ध होंगे। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को अपने उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने, लागत एवं लाभ की गणना करने, बिक्री और व्यय का रिकार्ड रखने, उत्पादन एवं वितरण की बेहतर योजना बनाने तथा ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार व्यवसाय विकसित करने के तरीके सिखाए जाएंगे।

पीएम जनमन आवास योजना में हितग्राहियों से ठगी, उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीसरे ठेकेदार पर एफआईआर

रायपुर। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत आवास निर्माण के नाम पर हितग्राहियों से धोखाधड़ी के मामले में कवर्धा विधायक एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर कार्रवाई तेज हो गई है। बोड्डला विकासखंड के ग्राम दुलदुला में तीन हितग्राहियों से राशि लेने के बावजूद आवास निर्माण पूरा नहीं करने के आरोप में ठेकेदार रोख निजामुद्दिन उर्फ निक्की खान के खिलाफ चिल्ला धाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इससे पहले दो अन्य ठेकेदारों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए जा चुके हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत बेंदा के आश्रित ग्राम दुलदुला में राजिम धुर्वे, उनके बड़े भाई सोनेलाल धुर्वे और पड़ोसी छिरवैया धुर्वे के नाम पर प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत हुए थे। आरोप है कि ठेकेदार रोख निजामुद्दिन उर्फ निक्की खान ने आवास निर्माण का जिम्मा लेकर हितग्राहियों से राशि प्राप्त की, लेकिन निर्माण कार्य पूरा नहीं किया। शिकायत के मुताबिक, तीनों हितग्राहियों से 80-80 हजार रुपये, कुल 2 लाख 40 हजार रुपये लेने के बाद भी मकान अंधेरे छौड़ दिए गए। राशि वापस मांगने पर भी पैसे नहीं लौटाने का आरोप है।



■ नर बकरा वितरण योजना से मिला उन्नत सिरोही नरल का बकरा, आय दोगुने से ज्यादा बढ़ी

रायपुर/ संवाददाता

मेहनत, सही मार्गदर्शन और शासन की योजना का साथ मिले तो ग्रामीण क्षेत्रों में भी आर्थिक समृद्धि की नई राह खुल सकती है। कबीरधाम जिले के बोड्डला विकासखंड के वनांचल ग्राम बेंदा निवासी बृजलाल मेरावी का सफलता इसकी मिसाल है। पशुधन विकास विभाग की नर बकरा वितरण योजना से मिले उन्नत सिरोही नरल के नर बकरे ने उनके पारंपरिक बकरी पालन को नई दिशा दी। नरल सुधार और बेहतर देखभाल से उनकी बकरियों की संख्या 15 से बढ़कर लगभग 30 हो गई है। वहीं, बकरी पालन से होने वाली सालाना आय 20 से 30 हजार रुपए से बढ़कर 60 से 70 हजार रुपए तक पहुंच गई है। बृजलाल मेरावी का परिवार खेती-किसानी के साथ बकरी पालन पर निर्भर था। पहले उनके पास रथानीय देशी नरल की 15 बकरियां थीं। मेमनों की धीमी वृद्धि और कम वजन के कारण बिक्री से सीमित आमदनी होती थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 में

पशुधन विकास विभाग की नर बकरा वितरण योजना के तहत उनका चयन किया गया। पशु चिकित्सालय चिल्फे के माध्यम से उन्हें उन्नत सिरोही नरल का नर बकरा अनुदान पर उपलब्ध कराया गया। सिरोही नरल के नर बकरे से प्रजनन के बाद संकर नरल के मेमने प्राप्त हुए। बेहतर शारीरिक विकास और वजन से बकरी पालन की लाभप्रदता में सुधार आया। पशु चिकित्सालय चिल्फे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं, संतुलित आहार, खनिज लवण और वैज्ञानिक रख-रखाव के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया। इसका असर अब बृजलाल के पशुधन और आमदनी में दिखाई दे रहा है। बकरियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है और वार्षिक आय बढ़कर 60 से 70 हजार रुपए तक पहुंच गई है। इससे परिवार को आर्थिक मजबूती मिली है और बकरी पालन आय का महत्वपूर्ण अतिरिक्त साधन बना है। बृजलाल मेरावी ने योजना से मिले लाभ के लिए शासन और पशु चिकित्सालय चिल्फे के प्रति आभार जताया। उन्नत नरल सुधार, नियमित टीकाकरण और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियां अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आजीविका को मजबूत बना सकते हैं। वनांचल क्षेत्र में बकरी पालन को लाभकारी बनाने की दिशा में यह पहल अन्य पशुपालकों के लिए भी प्रेरणादायक है।

गांव के छोटे से स्कूल से शुरू हुई सफलता की यात्रा

युवाओं से कहा-अपनी परिस्थितियों को नहीं अपनी क्षमताओं को पहचानें-वित्तमंत्री चौधरी

■ बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए परिस्थितियां नहीं, दृढ़ संकल्प और मेहनत जरूरी

■ गांव के साधारण सरकारी स्कूल से आईएसएस बनने तक की अपनी संघर्षपूर्ण यात्रा साझा कर युवाओं को किया प्रेरित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) में आयोजित कोलोसस एवं अंतरराष्ट्रीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस



और यूथ पार्लियामेंट 2026 के समापन समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने बचपन, शिक्षा और भारतीय प्रशासनिक सेवा तक पहुंचने की संघर्षपूर्ण यात्रा साझा करते हुए युवाओं को बड़े सपने देखने, कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित

किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सुविधाओं और संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति का आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से प्रयास किया जाए, तो

सफलता की राह बनाई जा सकती है। कार्यक्रम में भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपिक पदक विजेता श्री शमशेर सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.सी. विवेकानंदन सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विश्वविद्यालय द्वारा मॉडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पार्लियामेंट जैसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को संवाद, नेतृत्व और विचारों की अभिव्यक्ति का अवसर उपलब्ध कराने की सराहना की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि उनका जन्म रायगढ़ जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता शासकीय विद्यालय में शिक्षक थे, लेकिन जब वे मात्र आठ वर्ष के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया।

संपादकीय

देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। एशियाई खेलों में एथलेटिक्स और बैडमिंटन जैसे खेलों में अपेक्षित पदक नहीं मिले, तो खेल मंत्रालय समीक्षा बैठक करता है। पिछली एशियाई खेलों के मुकाबले इस बार पदकों की संख्या में कमी निश्चित रूप से चिंता का मामला है। मगर क्या

कभी उन लोगों की जवाबदेही भी तय होती है, जिनके हाथों में खेलों का प्रशासन है? खिलाड़ियों से पदक जीतने की अपेक्षा की जाती है, तो क्या खेल संगठनों के पदाधिकारियों से नतीजों का हिसाब मांगा जाता है?देश के अनेक खेल संघों में ऐसे लोग शीर्ष पदों पर काबिज हैं, जिनकी खेलों में कोई पृष्ठभूमि नहीं रही है। प्रशासनिक अनुभव जरूरी है, लेकिन खेल की

खेलों में पदक चाहिए, तो जवाबदेही भी तय करनी होगी

बारीकियों, खिलाड़ियों की समस्याओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की चुनौतियों की समझ भी नेतृत्व की अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विडंबना है कि खिलाड़ियों के भविष्य से जुड़े फैसले लेने वाली व्यवस्था में कई बार उनकी आवाज कमजोर पड़ जाती है। सवाल है कि पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा और जवाबदेही तय करने का प्रभावी तंत्र क्यों नहीं

है? जब पद प्रतिष्ठा व प्रभाव का माध्यम बन जाए, तो खेल हित का पीछे छूटना लाजिमी है।दूसरी बड़ी चुनौती प्रतिभाओं की खोज है। गांवों और छोटे कस्बों में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो उचित प्रशिक्षण, उपकरण और अवसर मिलने पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर सकते हैं। मगर प्रतिभाओं की पहचान अगर संयोग पर निर्भर हो, तो यह

व्यवस्था की विफलता है। कितने ही संभावित और बेहतरीन खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में खेल छोड़ देते हैं। कितनों को केवल इसलिए अवसर नहीं मिलता कि उनके पास उच्च संपर्क नहीं है। प्रतिभा को शुरूआती स्तर पर पहचानने और उसे निखारने की व्यवस्थित पहल के बिना पदक बढ़ाने के लक्ष्य अधूरे ही रहेंगे।खेलों में सुधार के लिए बजट और घोषणाओं से आगे बढ़ना होगा। खेल

संगठनों के कामकाज का स्वतंत्र मूल्यांकन, पारदर्शी चयन प्रक्रिया, योग्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति और प्रतिभा खोज की जवाबदेह व्यवस्था बनानी होगी। मंत्रालय को समीक्षा बैठकों के निकषों पर कार्रवाई का हिसाब भी सार्वजनिक करना चाहिए। जब तक खेल व्यवस्था में खिलाड़ी सर्वोपरि नहीं होंगे, तब तक पदक की महत्वकांक्षा और उपलब्धियों के बीच की दूरी बनी रहेगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उन्माद और वैश्विक बाजार की चिंता

(महेन्द्र तिवारी)
रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोसों 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को इक्कीसवीं सदी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में गिना जा रहा है। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार और प्रशासन तक इसका विस्तार नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। बड़ी कंपनियां इस तकनीक को विकसित करने और अपने कारोबार में शामिल करने के लिए भारी धनराशि खर्च कर रही हैं। लेकिन जब किसी नई तकनीक के प्रति उम्मीदें बहुत तेजी से बढ़ती हैं, तब उसके साथ जुड़े आर्थिक जोखिम भी बढ़ने लगते हैं। 15 अक्टूबर 2026 को वैश्विक शेयर बाजारों में दिखाई दी उथल-पुथल ने इसी प्रश्न को सामने ला दिया है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता में किया जा रहा विशाल निवेश भविष्य में अपेक्षित लाभ दे पाएगा।

रॉयटर्स की रिपोर्टों के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट के बीच निवेशकों ने सरकारी बांड जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश साधनों की ओर रुख किया। दक्षिण कोरिया का शेयर बाजार विशेष रूप से प्रभावित हुआ। वहां प्रमुख शेयर सूचकांक कोसों 7.57 प्रतिशत गिरकर 5,554.22 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान गिरावट इतनी तेज थी कि कुछ समय के लिए व्यापार रोकना पड़ा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एप्पल के हाईनिक्स जैसी प्रमुख अर्धचालक कंपनियों के शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। जापान का शेयर बाजार भी इस वैश्विक दबाव से अछूता नहीं रहा। इन घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की दिलचस्पी के साथ-साथ उनकी आशंकाएं भी बढ़ रही हैं। इस गिरावट के पीछे केवल शेयरों की कीमतों में पहले आई तेजी नहीं थी। इसके साथ अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक बने रहने और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता का भी संबंध था। जब ब्याज दरें ऊंची रहती हैं, तब कंपनियों के लिए कर्ज लेना महंगा हो जाता है। भविष्य में मिलने वाले लाभ का वर्तमान मूल्य भी कम हो सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनेक कंपनियां ऐसे उपकरणों और प्रतिष्ठानों पर भारी धनराशि खर्च कर रही हैं, जिनसे वास्तविक आय प्राप्त होने में कई वर्ष लग सकते हैं। इसलिए महंगे कर्ज और अनिश्चित लाभ का मेल निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का आधुनिक ढांचा तैयार करना साधारण काम नहीं है। इसके लिए अत्यंत शक्तिशाली संगणक, उन्नत अर्धचालक चिपें, विशाल आंकड़ा केंद्र, निरंतर बिजली आपूर्ति और प्रभावी शीतलन प्रणालियां चाहिए। इन सबके निर्माण और संचालन में भारी पूंजी लगती है। कंपनियां इस उम्मीद में निवेश कर रही हैं कि आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग तेजी से बढ़ेगी और उनके द्वारा तैयार की गई संगणना क्षमता का पर्याप्त उपयोग होगा। लेकिन यदि मांग अनुमान से कम रही या ग्राहकों ने अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की, तो कंपनियों के लिए अपने निवेश से पर्याप्त लाभ कमाना कठिन हो सकता है। अमेरिकी कंपनी कोरवीव का उदाहरण इस चिंता को समझने में मदद करता है। यह कंपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी संगणना सेवाएं उपलब्ध कराती

है। रॉयटर्स की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी पर लगभग 50 अरब डॉलर का कर्ज है। उसके शेयरों में लगातार गिरावट आई और उसके कुछ बांडों पर मिलने वाला प्रतिफल भी बहुत बड़ गया। इससे निवेशकों ने कंपनी की वित्तीय क्षमता और कर्ज चुकाने की योग्यता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि उसके पास भविष्य में आय देने वाले अनुबंधों का बड़ा भंडार है।

यहां समझने वाली बात यह है कि भविष्य के अनुबंधों का बड़ा मूल्य होना और समय पर पर्याप्त नकदी प्राप्त होना अलग-अलग बातें हैं। किसी कंपनी को कर्मचारियों के वेतन, बिजली, उपकरणों, ब्याज और ऋण की किस्तों का भुगतान लगातार करना पड़ता है। यदि आय आने में देरी होती है, तो अच्छे अनुबंध होने के बावजूद वित्तीय दबाव पैदा हो सकता है। इसके विपरीत, यदि मांग मजबूत

है, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े प्रतिष्ठानों का विस्तार करते समय भी वित्तीय अनुशासन का ध्यान रखना होगा। केवल भविष्य की मांग बढ़ने पर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से भी पूंजी निकाल सकते हैं। इससे शेयरों की कीमतों और रुपये में उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका रहती है। दूसरी ओर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विस्तार से भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए नई संभावनाएं भी पैदा हो सकती हैं। आंकड़ा प्रबंधन, तकनीकी सेवाओं, साइबर सुरक्षा और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने के क्षेत्र में भारतीय कंपनियां महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। लेकिन इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास, अनुसंधान, बिजली की उपलब्धता और तकनीकी ढांचे में निवेश जरूरी होगा।

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े प्रतिष्ठानों का विस्तार करते समय भी वित्तीय अनुशासन का ध्यान रखना होगा। केवल भविष्य की मांग



रहती है और कंपनी अपने अनुबंधों को वास्तविक आय में बदल पाती है, तो भारी निवेश लाभदायक भी साबित हो सकता है। इसलिए किसी कंपनी के शेयरों में गिरावट को उसके कारोबार के समाप्त होने का प्रमाण मानना उचित नहीं है।

इस घटनाक्रम ने सरकारी बांडों की भूमिका को भी फिर चर्चा में ला दिया है। जब निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक जोखिम दिखाई देता है, तब वे अपनी पूंजी का कुछ हिस्सा सरकारी प्रतिष्ठितियों में लगाते हैं। इससे इन बांडों की मांग बढ़ सकती है और उनकी कीमतों में तेजी आ सकती है। सामान्यतः बांड की कीमत और उससे मिलने वाला प्रतिफल विपरीत दिशा में चलते हैं। 15 अक्टूबर को वैश्विक बाजारों में सरकारी बांडों की ओर बढ़ते रुझान को इसी संदर्भ में देखा गया। हालांकि सरकारी बांड भी ब्याज दरों में बदलाव से प्रभावित होते हैं, इसलिए उन्हें हर परिस्थिति में पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं माना जा सकता।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्तमान विस्तार किसी आर्थिक बुलबुले का रूप ले रहा है। आर्थिक बुलबुले की स्थिति तब बन सकती है, जब किसी परिसंपत्ति का बाजार मूल्य उसकी वास्तविक कमाई और दीर्घकालीन संभावनाओं से बहुत आगे निकल जाए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में कुछ कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन, भारी कर्ज और भविष्य की आय को लेकर अनिश्चितता ने इस आशंका को बढ़ाया है। फिर भी पूरे उद्योग को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। कुछ कंपनियों के पास पर्याप्त नकदी, मजबूत ग्राहक आधार और विविध कारोबार हैं, जबकि कुछ कंपनियां विस्तार के लिए लगातार कर्ज पर निर्भर हैं। दोनों की वित्तीय स्थिति और जोखिम अलग-अलग हैं।

के अनुमान पर भारी कर्ज लेकर विशाल आंकड़ा केंद्र तैयार करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। निवेश का आधार वास्तविक ग्राहक मांग, संभावित आय और दीर्घकालीन आर्थिक उपयोगिता होनी चाहिए। सरकार और उद्योग को यह भी देखना होगा कि इन प्रतिष्ठानों की बिजली तथा पानी की जरूरतें किस प्रकार पूरी की जाएंगी और उनका पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में मौजूदा उथल-पुथल तकनीकी विकास के विरुद्ध कोई प्रमाण नहीं है। यह संभव है कि आने वाले वर्षों में यह तकनीक उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाए, नई सेवाओं को जन्म दे और आर्थिक गतिविधियों का स्वरूप बदल दे। लेकिन किसी तकनीक की उपयोगिता और उससे जुड़ी कंपनियों के शेयरों का उचित मूल्यांकन दो अलग प्रश्न हैं। तकनीकी प्रगति अपने आप में इस बात की गारंटी नहीं देती कि हर निवेशक को लाभ होगा या प्रत्येक कंपनी सफल रहेगी।

अंततः कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य केवल शक्तिशाली संगणकों और अरबों डॉलर के निवेश से तय नहीं होगा। उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह समाज और अर्थव्यवस्था की वास्तविक समस्याओं का कितना प्रभावी समाधान करती है, उससे कितनी टिकाऊ आय पैदा होती है और कंपनियां अपने खर्च तथा कर्ज पर बंधन कितनी जिम्मेदारी से करती हैं। तकनीकी महत्वाकांक्षा आवश्यक है, लेकिन उसके साथ विवेकपूर्ण निवेश और वित्तीय अनुशासन भी उतने ही जरूरी हैं। वैश्विक बाजार की मौजूदा चिंता इसी संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आखिर हतियों को नियंत्रित करने में सऊदी अरब, अमेरिका और ‘इस्लामिक नाटो’ क्यों विफल प्रतीत हो रहे हैं?

दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिछुं को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सि शिया संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं?

(कमलेश पांडे)
सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणगत हो जाए। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा।

खाड़ी देशों में ईरान पर जोरदार हमला करके अमेरिका-इजरायल ने जो आग भड़काई, उसकी भारी कीमत आज उसके समर्थक चुका रहे हैं। जब ईरान ने अपनी सधी हुई रणनीति से और रूस व चीन के बल पर अमेरिका-इजरायल को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया, तो उन्होंने अपनी सैन्य कार्रवाई रोक ली। इधर ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों ने जब सऊदी को निशाने पर लिया और ताबड़तोड़ हमले शुरू किए, तो उनके विरुद्ध अमेरिका, सऊदी अरब और इस्लामिक नाटो की सैन्य क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। आधुनिक हथियारों, उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बावजूद हूती विद्रोही सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चुनौती बने हुए हैं।

जिस तरह से अक्टूबर 2026 में रियाद के किंग खालिद अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले हुए और लाख सागर के समुद्री मार्गों को लेकर तनाव बढ़ा, उसने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। आइए हम आपको इसके पीछे के दस अहम सवाल समझाएंगे, जो आगे दिए हुए हैं। इससे पहले एक



मीडिया की 12-13 अक्टूबर की रिपोर्टों में सऊदी ईराई सुरक्षा की कमजोरियों और हतियों की बढ़ती क्षमताओं का उल्लेख किया गया है, उसकी चर्चा करते हैं। यही वजह है कि इस संकट को समझने के लिए तीन सवाल महत्वपूर्ण हैं। एक, अमेरिका जैसी महाशक्ति हतियों को निर्णायक रूप से नियंत्रित क्यों नहीं कर पा रही है? शायद इसलिए कि उनके ऊपर ईरान और ईरान के ऊपर रूस व चीन का हाथ है। सभी मिलकर खाड़ी देशों से अमेरिकी पांव उखाड़ना चाहते हैं। इसलिए अमेरिका बेबस है, दो, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बने नए रक्षा समझौते की वास्तविक उपयोगिता क्या है? दरअसल, यह अमेरिकी इशारे पर भारत के विरुद्ध बनवाया गया

संगठन है। लेकिन इनकी आर्थिक और सैन्य क्षमता ईरान से सीधा टकराने की नहीं है। अब जान चुके हैं कि जो देश अमेरिका को पीछे हटने पर मजबूर कर सकता है, वह देश इन अमेरिकी पिछुं को पल भर में दबोच कर शिया शासन के अधीन मिला लेगा। किसी भी लड़ाई में सारे मोर्चे एक साथ नहीं खोले जाते, बल्कि एक एक कर दुर्लभ लक्ष्य साधा जाता है। ईरान और उसके प्रॉक्सि शिया संगठनों की रणनीति यही है। तीन, सऊदी अरब के पास सैन्य कार्रवाई के अलावा कौन-कौन से विकल्प हैं? चूंकि अमेरिका व इजरायल सऊदी अरब का साथ छोड़ चुके हैं, इसलिए अब वह रूस को माध्यम बनाकर ईरान के शरणगत हो जा। साथ ही तमाम अमेरिका सैन्य अड्डों को खाली करवा ले। इससे

ईरान खुद को सुरक्षित महसूस करेगा। यह सुखी मुल्कों पाकिस्तान व तुर्किये के घमनाजों में फंसेगा तो बर्बादी भी होगी और सत्ता पलट भी होगा।

अब आइए दस मौलिक सवालों से इस वैश्विक समस्या के समाधान को ढूंढने की कोशिश करते हैं, जहां पर हर पक्ष के संतुलन को दर्शाने की कोशिश की गई है।

पहला सवाल यह है कि हतियों को नियंत्रित करना इतना कठिन क्यों है? तो जवाब होगा कि सैन्य शक्ति और युद्ध के परिणाम में अंतर होता है। अमेरिका और सऊदी अरब के पास आधुनिक सैन्य संसाधन हैं, लेकिन किसी सशस्त्र संगठन को पराजित करना केवल हथियारों की श्रेष्ठता का प्रश्न नहीं है, बल्कि सैनिकों में मजबूत राष्ट्रीय जज्बा भी होना चाहिए जो अबतक दिखा नहीं। हूती आंदोलन ने यमन के गृहयुद्ध के दौरान सैन्य अनुभव हासिल किया है। वह देश के बड़े हिस्से में अपना प्रभाव बनाए हुए है और उसके पास मिसाइल तथा ड्रोन जैसी क्षमताएँ हैं। एक ताजा विश्लेषण के अनुसार, हतियों की चुनौती के पीछे अपेक्षाकृत कम लागत वाली सैन्य तकनीक, ईरान से मिली तकनीकी सहायता, स्थानीय समर्थन और विरोधी पक्षों के बीच मतभेद जैसे कारक हैं। दरअसल किसी देश की सैन्य श्रेष्ठता सैन्य अपने आप यह सुनिश्चित नहीं करती कि वह अपने राजनीतिक उद्देश्यों को भी प्राप्त कर लेगा।दूसरा सवाल है कि कम लागत वाले हमले और महँगी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भी सऊदी अरब पर हूती क्यों भारी पड़ रहा है? शायद

इसलिए कि हूती संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिक है। ड्रोन और अन्य अपेक्षाकृत सस्ते साधनों से खतरा उत्पन्न किया जा सकता है। हमलों को रोकने के लिए अत्याधुनिक निगरानी और वायु रक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है। लगातार हमलों की आशंका के कारण नागरिक विमानन, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और व्यापारिक गतिविधियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सऊदी अरब की रक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है, बल्कि हतिया घटनाएँ यह सवाल उठाती हैं कि क्या उसकी मौजूदा व्यवस्था सभी प्रकार के हमलों से पर्याप्त सुरक्षा दे पा रही है। मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, सऊदी अधिकारी रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में आई कमियों की जाँच कर रहे हैं। तीसरा सवाल यह है कि यमन का भूगोल और राजनीतिक परिस्थितियाँ हतियों की मदद कर रही हैं। यमन की भौगोलिक परिस्थितियाँ और लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता इस समस्या को जटिल बनाती हैं। हूती आंदोलन को केवल बाहरी सैन्य शक्ति से नियंत्रित करने की कोशिश में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों की अनदेखी नहीं की जा सकती। यमन में एक ओर हतियों का प्रभाव है, तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार और दूसरे स्थानीय राजनीतिक तथा सैन्य समूह हैं। इन सभी के हित हमेशा एक जैसे नहीं होते। इसलिए हतियों के विरुद्ध कार्रवाई और यमन में स्थायी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करना दो अलग-अलग चुनौतियाँ हैं।

गांजे के पौधे मिलने के मामले में 14 अक्टूबर को ही दर्ज हुआ था अपराध : कोंडागांव पुलिस

पुलिस ने निष्क्रियता और प्रशासनिक संरक्षण के आरोपों को किया खारिज, कहा- मामले की विवेचना जारी

कोंडागांव। माजीसा राइस मिल के सामने गांजे के पौधे मिलने के मामले में कोंडागांव पुलिस ने सोशल मीडिया और कुछ समाचार पत्रों में प्रसारित खबरों पर स्पष्टीकरण जारी किया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में 14 अक्टूबर को ही अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई थी। पुलिस ने कार्रवाई में देरी और प्रशासनिक संरक्षण से जुड़े आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रकरण में नियमानुसार जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 14 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान गांजे के पौधे जप्त कर थाना कोंडागांव में अपराध क्रमांक 324/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(क) में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद से प्रकरण विवेचनाधीन है।



भूमि के स्वामित्व की जानकारी जुटा रही पुलिस-पुलिस के मुताबिक, गांजे के पौधे संबंधित भवन की बाउंड्रीवाल के बाहर स्थित भूमि पर पाए गए थे। भूमि के स्वामित्व और मामले से संबंधित व्यक्तियों की भूमिका स्पष्ट करने के लिए संबंधित विभाग को पत्र भेजा गया है। विभाग से जानकारी मिलने और साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।



पक्ष जाने बिना खबर प्रसारित करने का आरोप-पुलिस ने अपने स्पष्टीकरण में कहा कि 23 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर दो व्यक्तियों द्वारा इस मामले में पुलिस एवं प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया गया था। पुलिस का दावा है कि खबर प्रसारित करने से पहले कोतवाली पुलिस का पक्ष नहीं लिया गया और न ही तथ्यों की पुष्टि करने के लिए संपर्क किया गया। पुलिस के अनुसार, मामले में

राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में खेलेंगी कोंडागांव की चार छात्राएं

गुंडाधुर महाविद्यालय की पुष्पा, मोना, नंदनी और लक्ष्मी का चयन; 26 अक्टूबर से भाटापारा में होगी प्रतियोगिता



कोंडागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव की चार छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय बास्केटबॉल महिला प्रतियोगिता के लिए हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में पुष्पा मरकाम, मोना दुग्गा, नंदनी और लक्ष्मी देवांगन शामिल हैं। ये सभी छात्राएं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कांकेर सेक्टर की महिला बास्केटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। छात्राओं का चयन भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर में आयोजित किया गया। नियमित अभ्यास से मिल रही सफलता-महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एच.आर. यदु ने बताया कि प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत

महिला प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 27 अक्टूबर 2026 तक गजानंद अग्रवाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटापारा, जिला बलौदाबाजार में होगा। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 12 सेक्टरों की टीमों हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता की तैयारी के लिए चयनित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर 24 से 25 अक्टूबर तक भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर में आयोजित किया गया। नियमित अभ्यास से मिल रही सफलता-महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी एच.आर. यदु ने बताया कि प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के मार्गदर्शन में जुलाई माह से ही उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत

विभिन्न खेलों का नियमित एवं व्यवस्थित अभ्यास कराया जा रहा है। खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के परिणामस्वरूप महाविद्यालय के विद्यार्थी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। चारों छात्राओं के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि छात्राएं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कोंडागांव जिले और महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगी।

भट्टीगुड़ा में सुनी गई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’, धान खरीदी में किसानों की सहायता पर हुई चर्चा

बीजापुर – भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला बीजापुर के भोपालपटनम मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत चेरपाल के ग्राम भट्टीगुड़ा में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम के 139वें संस्करण का श्रवण किया गया। कार्यक्रम के उपरंत भाजपा किसान मोर्चा भोपालपटनम मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा किसान मोर्चा जिला सहप्रभारी शैलेश अटामी एवं जिलाध्यक्ष सुखमन करण ने कहा कि आगामी महीने में धान खरीदी प्रारंभ होने वाली है। ऐसे में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए किसान मोर्चा के कार्यकर्ता किसानों को हरसंभव सहयोग प्रदान करें। उन्होंने धान खरीदी के दौरान किसानों की



समस्याओं को समझने, उनके समाधान के लिए सहयोग करने तथा किसानों के हितों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बैठक में धान खरीदी की तैयारियों एवं किसानों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, किसानों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करने में सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही गई। इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकर्ता यालम शंकर, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष टिंगि संतोष, मीडिया प्रभारी मिनेंद्र राव, सरपंच कतिथा कुर्रुम, मंत्री संपत, पुनेम गणपत सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीजापुर जिले के उसूर-बासागुड़ा महिला बाल विकास परियोजना में लाखों रुपये की गड़बड़ी का आरोप

राजकुमार उसेंडी पर 4.56 लाख रुपये के कथित घोटाले के आरोप

बीजापुर जिले के उसूर-बासागुड़ा में 153 आंगनवाड़ी केंद्रों के नाम पर लाखों रुपये की राशि आवंटित किए जाने के बाद गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आंगनवाड़ी केंद्रों के रखरखाव और मरम्मत के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राशि आवंटित की गई थी। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास संचालनालय, ब्लॉक-1, द्वितीय तल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर से राज्य के सभी जिलों एवं जिलों के ब्लॉकों में आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत और रखरखाव के लिए राशि आवंटित की गई थी। बीबीजापुर जिले की उसूर-बासागुड़ा परियोजना में आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए लगभग 4.56 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी। आरोप है कि इस राशि का उपयोग वास्तविक मरम्मत कार्यों के बजाय अनियमित तरीके से किया गया।



अधिकारी का गोलमोल बयान- मरम्मत कार्य के संबंध में उसूर-बासागुड़ा महिला एवं बाल विकास परियोजना के अधिकारी राजकुमार उसेंडी से पत्रकारों ने बयान लेने का प्रयास किया। अधिकारी ने कहा कि वह महीने पहले ही फर्म को भुगतान कर दिया गया है। हालांकि, स्थानीय जानकारी के अनुसार उसूर-बासागुड़ा परियोजना के 153 आंगनवाड़ी केंद्रों में से किसी भी केंद्र में मरम्मत का कार्य नहीं किया गया। पत्रकारों की टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीनी स्तर पर पड़ताल की। इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति

राशि फर्म के माध्यम से संबंधित अधिकारी तक पहुंचने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है।

नक्सलमुक्त बीजापुर में विकास और पारदर्शिता पर सवाल-बीजापुर जिले को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के बाद अब जिले के विकास को गति देने की उम्मीद की जा रही है। जिले के नागरिकों को उम्मीद है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता आएगी और सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचेगा। लेकिन यदि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितताएं होती हैं, तो इससे विकास कार्यों की गुणवत्ता और प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। क्या निष्पक्ष होगी कार्रवाई?- मामले के सामने आने के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या जिला प्रशासन

इसकी निष्पक्ष जांच करेगा या मामला केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। जिले के कलेक्टर से मांग की गई है कि एक जांच टीम गठित कर आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए आवंटित राशि, भुगतान, संबंधित फर्म और वास्तविक कार्यों की जांच कराई जाए। यदि जांच में वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित फर्म के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। पत्रकारों की टीम महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े से भी मामले में जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग करेगी। नोट: यह अखबार की कटिंग में दिखाई दे रहे पाठ का टाइप किया हुआ हिंदी रूपान्तरण है। इसमें लगाए गए आरोपों को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया गया है। प्रकाशित करने से पहले संबंधित अधिकारी और विभाग का पक्ष लेना उचित होगा।

आवापल्ली के प्राइस पब्लिक स्कूल में सुविधाओं की कमी को लेकर उठे सवाल, 238 बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा पर चिंता

बीजापुर-जिले में निजी स्कूलों की व्यवस्था और बच्चों को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। आवापल्ली स्थित प्राइस पब्लिक स्कूल में कथित तौर पर खेल मैदान, बेहतर शौचालय और शुद्ध पेयजल जैसी सुविधाओं की कमी सामने आने की बात कही जा रही है। स्कूल में करीब 238 बच्चों के अध्ययनरत होने की जानकारी है। ऐसे में सवाल उठता है कि शिक्षा विभाग इन व्यवस्थाओं की जांच कब करेगा?



शिकायत है। छात्राओं के लिए अलग शौचालय और शुद्ध पेयजल (जुह) की सुविधा को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। यदि स्कूल में बच्चों से हजारों रुपये फीस ली जा रही है, तो उन्हें जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी है। *238 बच्चों की क्षमता और सुरक्षा की जांच जरूरी *-स्कूल में बच्चों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त कक्षा, बैठने की व्यवस्था और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध है या नहीं, यह जांच का विषय है।

यदि बच्चों को बैठने और पढ़ाई के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल रही है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। किसी भी अग्रिम घटना की स्थिति में जिम्मेदारी तय करने के बजाय जरूरी है कि शिक्षा विभाग समय रहते निरीक्षण कर कमियों को दूर करे। *एक नाम से तीन जगह स्कूल संचालन पर भी सवाल*-स्थानीय स्तर पर प्राइस पब्लिक स्कूल के नाम से तीन स्थानों पर स्कूल संचालित होने की जानकारी सामने आई है-1. प्राइस पब्लिक स्कूल, आवापल्ली 2. प्राइस पब्लिक स्कूल, महेड़ 3. प्राइस पब्लिक स्कूल, कुटूर। इन स्कूलों की मान्यता, पंजीयन, भवन, छात्र संख्या और उपलब्ध सुविधाओं की नियमानुसार जांच

किए जाने की जरूरत है। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि प्रत्येक स्कूल निर्धारित मानकों का पालन कर रहा है या नहीं। *जिला शिक्षा अधिकारी से उठे सवाल*-अब सवाल यह है कि जिला शिक्षा अधिकारी और संबंधित शिक्षा विभाग की टीम इन स्कूलों का निरीक्षण कब करेगी? क्या स्कूल प्रबंधन को बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करने के निर्देश दिए जाएंगे? यदि जांच में अनियमितताएं मिलती हैं, तो नियमानुसार क्या कार्रवाई होगी? बच्चों की शिक्षा को व्यवसाय तक सीमित नहीं किया जा सकता। अधिभावक फीस देकर अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की उम्मीद करते हैं।

अधिकारियों-कर्मचारियों को दिए गए दिशा-निर्देश

सुकमा भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, सुकमा में 23 एवं 24 अक्टूबर 2026 को आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य निदेशालय, छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों ने जनगणना की प्रक्रिया, कार्यप्रणाली एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को आगामी कार्यों के लिए प्रशिक्षित किया।



प्रशिक्षण में मकान सूचीकरण, मकानों की गणना, निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन तथा संबंधित अभिलेखों के संधारण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में जिला एवं अनुविभागीय स्तर के अधिकारियों,

तहसीलदारों, मुख्य नगरपालिका अधिकारियों सहित जनगणना कार्य से जुड़े अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का उद्देश्य संबंधित कार्मिकों को उनके दायित्वों के प्रति स्पष्ट समझ प्रदान करना तथा जनगणना कार्य में

समन्वय, सटीकता और समयबद्धता सुनिश्चित करना रहा। जनगणना देश की एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनसंख्या एवं आवास से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े संकलित किए जाते हैं। इन आंकड़ों का उपयोग विकास योजनाओं के निर्माण और प्रभावी प्रशासनिक निर्णय लेने में किया जाता है। जिला प्रशासन सुकमा द्वारा जनगणना 2027 की तैयारियों को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने की दिशा में यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण कदम रहा। प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने तथा आगामी जनगणना प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न करने के लिए तैयार किया गया।

‘वोट बचाओ देश बचाओ अभियान अंतर्गत कांग्रेस की प्रेसवार्ता, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे व चुनावी अनियमितताओं की स्वतंत्र जाँच की माँग

वोट चोरी एक व्यापक मुद्दा है, SIR समस्या का केवल एक हिस्सा है- चंदन कश्यप, पूर्व विधायक

हर वोट की सुरक्षा जरूरी, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करे चुनाव आयोग-देवचंद मतलाम



तथा चुनाव आयोग के आचरण पर लगातार सवाल उठाए हैं। मूल सवाल यह है कि क्या प्रत्येक पात्र नागरिक अपने संवैधानिक मताधिकार का प्रयोग कर सकता है और क्या चुनाव एक निष्पक्ष संस्था की निगरानी में कराए जा रहे हैं। राहुल गांधी जी और कांग्रेस ने कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाने के लिए बार-बार निर्वाचन क्षेत्र के स्तर के आँकड़े और चुनावी तुलनाएँ सार्वजनिक की हैं। इसमें 7 फरवरी 2025 को महाराष्ट्र में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस, 7 अगस्त 2025 को

महोदयपुरा से जुड़े आँकड़ों की प्रस्तुति, सितंबर 2025 में आलंद से जुड़े आरोप, नवंबर 2025 में हरियाणा से जुड़े आरोप और सितंबर 2026 में चुनाव आयोग के भीतर मतमेदों के खुलासे के बाद उठाए गए नए सवाल शामिल हैं। इन प्रयासों को स्वरूप से शुरू हुआ मुद्दा नहीं, बल्कि आँकड़ों, सार्वजनिक जाँच-पड़ताल और संस्थागत जवाबदेही के माध्यम से जवाब माँगने की एक निरंतर कोशिश के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। फरवरी 2025 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने विपक्षी

नेताओं सुप्रिया सुले और संजय राजत के साथ 2024 के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच लगभग 39 लाख मतदाताओं के जुड़ने पर सवाल उठाए। इसके मुकामले, पिछले पाँच वर्षों में लगभग 32 लाख मतदाता जुड़े थे। कांग्रेस ने माँग की कि बताया जाए कि ये अतिरिक्त मतदाता कौन थे, उनका पंजीकरण कब हुआ और इतने कम समय में संख्या में इतनी तेज़ वृद्धि क्यों हुई। इस अंतर के आधार पर पारदर्शी और मशीन-पठनीय मतदाता आँकड़े उपलब्ध कराने की माँग की

गई। केवल मतदाताओं की संख्या में वृद्धि अपने आप में यह साबित नहीं करती कि अतिरिक्त पंजीकरण फर्मी थे। 7 अगस्त 2025 को राहुल गांधी ने बेंगलुरु सेंट्रल के महोदयपुरा विधानसभा क्षेत्र का विस्लेषण प्रस्तुत करते हुए आरोप लगाया कि पाँच प्रकार की अनियमितताओं के कारण 1,00,250 वोट प्रभावित हुए। इनमें दोहरा पंजीकरण, अमान्य या संदिग्ध तस्वीरें, फॉर्म 6 का दुरुपयोग और अन्य संदिग्ध प्रविष्टियाँ शामिल थीं। उन्होंने कहा कि इन निष्कर्षों के आधार पर मतदाता सूची की शुद्धता की व्यापक जाँच होनी चाहिए। इन आँकड़ों को कांग्रेस के आरोपों और जिज्ञासा के रूप में ही प्रस्तुत किया जाने चाहिए, जब तक किसी आधिकारिक या न्यायिक निष्कर्ष से इनकी स्वतंत्र पुष्टि न हो जाए। इसके बाद कांग्रेस ने हरियाणा में दोहरे मतदाताओं और मतदाता सूची की संदिग्ध प्रविष्टियों तथा कर्नाटक के आलंद में नाम हटाने के कथित

प्रयासों को लेकर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने ऐसे सॉफ्टवेयर टूल के कथित रूप से बंद किए जाने पर भी सवाल किया, जिसका उद्देश्य तस्वीरों और जनसांख्यिकीय विवरणों में समानता के आधार पर संदिग्ध मतदाता प्रविष्टियों की पहचान करना था। कांग्रेस की माँग स्पष्ट रही है: मूल आँकड़े उपयोग योग्य डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराए जाएँ, नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया का खुलासा हो और राजनीतिक दलों तथा नागरिकों को केवल आधारसों पर निर्भर रहने के बजाय स्वतंत्र रूप से सत्यापन करने का अवसर मिले। 25 सितंबर 2026 को प्रकाशित द इंडियन एक्सप्रेस की एक अहम पड़ताल में बताया गया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने लगभग दस महीनों के दौरान कम-से-कम 14 बार औपचारिक रूप से अनियमित दर्ज कराईं। इनमें फॉर्म 6 से जुड़ी आपत्तियाँ भी शामिल थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन आपत्तियों का संबंध

ऐसे फैसलों से था जो उनकी जानकारी के बिना लिए गए, मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने, मतदाता सूची के डेटाबेस तक पहुँच, मतदाता आँकड़ों के केंद्रीकरण और प्रक्रिया में इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर की विश्वसनीयता से जुड़ी चिंताओं से था। इसका महत्व इसलिए है क्योंकि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल कथित तौर पर उसके अपने तीन में से दो आयुक्तों ने उठाए थे। रिपोर्ट के अनुसार, जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में रिपोर्ट तैयार किए जाने तक स्वरूप की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी या जिस चरण को रिपोर्ट में शामिल किया गया था, वहाँ 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रक्रिया प्रगति के आधार पर चिह्नित लगभग 60 लाख मतदाताओं के मामलों के निपटारे में सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया। रिपोर्ट के अनुसार,

इसके बाद लगभग 27 लाख नाम हटाए गए, जबकि न्यायाधिकरणों के समझ अपीलों की संख्या लगभग 38 लाख तक पहुँच गई थी। इन आँकड़ों को अलग-अलग चरणों और श्रेणियों के संदर्भ में समझना आवश्यक है: प्रारूप सूची से हटाए गए नाम, अंतिम रूप से हटाए गए नाम और लांबित अपीलों एक-दूसरे के समान नहीं हैं। जब भी कांग्रेस ने चुनावी अनियमितताओं पर सवाल उठाए, राजनीतिक प्रतिक्रिया में आरोपों को खारिज करने, साक्ष्यों पर सवाल उठाने या राहुल गांधी से अपने दावों को प्रमाणित करने की माँग करने पर जोर दिया गया। महोदयपुरा विवाद में कर्नाटक के चुनाव अधिकारियों ने विशिष्ट विवरण और हस्ताक्षरित घोषणा-पत्र माँगा। चुनाव आयोग ने भी इस दावे को खारिज किया कि ऑनलाइन नाम हटाने के अनुरोधों के आधार पर उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना मतदाताओं के नाम हटाए जा सकते हैं।

संक्षिप्त

समाचार

अमेरिका मध्यावधि चुनाव: गैर-अमेरिकी मतदाताओं की पहचान पर गरमाई राजनीति

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने कैलिफोर्निया की सभी काउंटियों के चुनाव



अधिकारियों को पत्र भेजकर मतदाता सूची में शामिल संभावित गैर-अमेरिकी नागरिकों की पहचान करने और उनके डाक मतपत्र अलग रखने की मांग की है। शुक्रवार को भेजे गए इन पत्रों में चेतावनी दी गई है कि निर्देशों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों को संधीय स्तर पर कड़ी जांच का सामना करना पड़ सकता है। यह कार्रवाई 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव से करीब डेढ़ सप्ताह पहले की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन देश के अलग-अलग राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के मतदान की जांच के लिए अभियान चला रहा है। हालांकि, कई राज्यों में गैर-अमेरिकी नागरिकों के बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में शामिल होने या मतदान करने के दावों पर सवाल उठे हैं। कैलिफोर्निया में चुनाव के लिए डाक मतपत्रों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। पिछले सप्ताह ट्रंप प्रशासन ने कैलिफोर्निया के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। इसमें 20 हजार से अधिक डाक मतपत्रों की गिनती अस्थायी रूप से रोकने की मांग की गई थी। न्याय विभाग के पत्र में ऐसे लोगों की सूची भी शामिल है, जिन्हें एजेंसी के अनुसार अवैध रूप से मतदाता के तौर पर पंजीकृत किया गया हो सकता है। पत्र में स्थानीय चुनाव अधिकारियों को 48 घंटे के भीतर संधीय सरकार के साथ मिलकर यह पता लगाने को कहा गया है कि सूची में शामिल कौन नागरिक है और कौन नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारी शुल्क लगाने की धमकी देकर भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले साल भारत में हुआ सैन्य संघर्ष रुकवाया था। हालांकि, भारत अमेरिकी मध्यस्थता के दावे को लगातार खारिज करता रहा है। ट्रंप ने शुक्रवार को पलौरीखा में एक चुनावी रैली में कहा, दोनों परमाणु हथियार संपन्न देश लड़ाई रोकने को तैयार नहीं थे। मैंने दोनों देशों से कहा था कि अगर उन्होंने लड़ाई जारी रखी तो अमेरिका के साथ व्यापार नहीं कर सकेगे। मैंने दोनों देशों को 250 टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। दोनों देश नाराज थे लेकिन मेरी धमकी के बाद उन्होंने गोलीबारी रोक दी और युद्ध समाप्त हो गया।

ईरान से गाजा तक सख्त सैन्य कार्रवाई के दम पर वोट मांग रहे नेतन्याहू, दांव पर सियासी साख

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेजामिन नेतन्याहू ने अपने सियासी छवि बदलने की हस्तसंभव कोशिश की है। पहले खुद को सुरक्षा और स्थिरता का भरोसेमंद नेता बताते थे। अब सख्त सैन्य कार्रवाई व दुश्मनों के खिलाफ आक्रामक रुख को अपनी पहचान बना रहे हैं। दरअसल, चुनाव से पहले उनका लक्ष्य मतदाताओं को यह भरोसा दिलाना है कि देश की सुरक्षा के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है। नेतन्याहू (77) इस्राइल में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता हैं। वे अपने राजनीतिक करियर को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे देश में समर्थन जुटा रहे हैं, जो युद्ध, राजनीतिक धुवीकरण और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता से गुजर रहा है। दरअसल, 7 अक्टूबर 2023 को हमारा के हमले ने नेतन्याहू की गिरफ्तार सियासती वाली छवि को बड़ा झटका दिया था। उसमें करीब 1,200 लोग मारे गए थे। हमले से पहले नेतन्याहू को ऐसे नेता के रूप में देखा जाता था, जो बड़े सैन्य टकराव से बचते थे। उनकी सुरक्षा नीति सीमित अवधि के युद्ध और रक्षात्मक कार्रवाई पर केंद्रित थी। लेकिन 7 अक्टूबर के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया। इस्राइल ने गाजा में हमारा, लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती विद्रोहियों और अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की। नेतन्याहू ने इसे दुश्मनों को कमजोर करने और इस्राइल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की रणनीति बताया। कई मोर्चों पर जंग पर निर्णायक अंत नहीं हुआ है। नेतन्याहू कड़े तैवरों के साथ अब कहते हैं कि बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

यूरोपीय देशों में आंदोलन: कई जगह भिड़े पुलिस, उग्र प्रदर्शनकारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस समेत कई यूरोपीय देशों में युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। फ्रांस की राजधानी पेरिस व अन्य शहरों में शनिवार को युवाओं और श्रमिक संगठनों के आह्वान पर बड़ा प्रदर्शन किया गया। दिनभर प्रदर्शन आमतौर पर शांतिपूर्ण रहा लेकिन शाम होते-होते कई जगहों पर हिंसक घटनाएं हुईं। हालांकि, पिछले हफ्ते की तुलना में स्थिति अपेक्षाकृत शांत रही। उपर, इटली में पीएम जियोर्जिया मेलेनी के खिलाफ युवाओं का आक्रोश भड़क उठा है।

लाहों की संख्या में सड़कों पर उतरे आक्रोशित: फ्रांस के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में लगभग 4.1 लाख लोगों ने प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। वहीं, जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (जीसीईए) यूनियन का दावा है कि यह संख्या करीब 8 लाख थी। फ्रांसीसी गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि अब तक 135 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके

पाकिस्तान-चीन की और बढ़ी नजदीकियां

चीनी राजदूत जियांग से मिले इशाक डार, कृषि-व्यापार और क्षेत्रीय हालात पर की चर्चा

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में चीन के राजदूत जियांग जाइदोंग ने पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इसहाक डार से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। डार ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के तहत सहयोग, संपर्क सुविधाओं का विस्तार, व्यापार और निवेश, कृषि का आधुनिकीकरण तथा दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाए जाने समेत दोनों देशों के बीच हर परिस्थिति में कायम रहने वाली रणनीतिक साझेदारी में निरंतर प्रगति की सराहना की। डार ने नए युग में सहाज भविष्य वाले पाकिस्तान-चीन समुदाय को और मजबूत करने के लिए उच्च स्तर पर नियमित बातचीत और संपर्क बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।



प्रदान किया। विदेश कार्यालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए बातचीत और कूटनीति के महत्व को दोहराया। पाकिस्तान और चीन इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने

का जश्न मना रहे हैं। दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत

यूक्रेन ने किया स्टारलिनक की ताकत का गलत इस्तेमाल: मस्क के आरोप से मचा बवाल

स्टारलिनक के इस्तेमाल पर मस्क ने उठाए सवाल



दिया गया है। मस्क ने स्टारलिनक और स्टारशील्ड को दो अलग-अलग व्यवस्थाएं बताया। उनके मुताबिक, स्टारलिनक एक व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा है, जबकि स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के नियंत्रण में काम करने वाला अलग सिस्टम है। उन्होंने कहा कि स्टारशील्ड का इस्तेमाल किस तरह किया जाता है, यह अमेरिकी सरकार का फैसला है। मस्क को इस टिप्पणी के बीच दोनों प्रणालियों की भूमिका और सैन्य इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। मस्क ने यह भी कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा के लिए स्टारलिनक बेहद महत्वपूर्ण

है। उनके दावे के मुताबिक, फिलहाल यह ऐसा संघर्ष पर मस्क ने एक बार फिर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की, जो युद्ध जारी रखने की बात करते हैं, लेकिन उसका व्यावहारिक समर्थन नहीं बताते। मस्क ने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों से सख्त नाफरत है, जो लगातार खून-खराबे को बढ़ावा देते हैं। उनकी इस टिप्पणी से साफ है कि वह युद्ध को लेकर अपनी पुरानी विरोधी राय पर कायम हैं। कुछ हिस्सा कथित तौर पर अलग-अलग माध्यमों से अमेरिका वापस पहुंचाया जा रहा है।

सऊदी और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज, रियाद समेत कई शहरों पर मिसाइल-ड्रोन हमले; सना में 8 की मौत

दुबई, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच संघर्ष तेज हो गया है। हूती लड़ाकों ने शनिवार को सऊदी अरब के कई शहरों में मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। इसके जवाब में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर भीषण हवाई हमले किए। इन हमलों में कई लोगों के हताहत होने की खबर है।

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने बयान जारी कर कहा कि संगठन ने शनिवार को सात मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इनका निशाना सऊदी अरब के रियाद, यानबू, खबीग, दम्माण, नजरान और खमीस मुशैत शहरों में स्थित एयरपोर्ट, तेल प्रसिठान और एक सैन्य अड्डा थे। सरिया के मुताबिक, रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो चरगों में निशाना बनाया गया। इसके अलावा यानबू में सऊदी अरमको के प्रतिष्ठानों और दम्माण में किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी हमले किए गए।

सऊदी गठबंधन ने कई मिसाइलें मार गिराने का किया दावा

सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूती विद्रोहियों की ओर से रियाद, ताइफ और यानबू शहरों की तरफ दागी गई कई मिसाइलों को रोककर नष्ट कर दिया। इसके अलावा पूर्वी प्रांत में एक ड्रोन को भी मार गिराया गया। सऊदी अरब के नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय ने बताया कि रेकी गई दो

सामान को निशाना बनाया था। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनन का सहारा लिया: दक्षिण-पूर्वी शहर ल्योन में प्रदर्शनों पर रोक लगाई गई थी, लेकिन शहर के केंद्र के पास लगभग 150 प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें हटाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया। परिचामी शहर नात में हजारों प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की बाढ़बंदी को तोड़कर शहर के केंद्र में प्रवेश किया। पुलिस ने आंसू गैस और वॉटर कैनन का सहारा लिया।

भीड़ में शामिल कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर पटाखे और पत्थर फेंके। अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर चेहरा ढककर प्रदर्शन करने पर रोक के बावजूद नकाबपोश प्रदर्शनकारी उपद्रव मचाते दिखे। ऑरलियंस शहर में मरीन ले पेन की दक्षिणपंथी नेशनल रैली पार्टी के सम्मेलन के खिलाफ हजारों लोगों ने विरोध मार्च निकाला।

बांग्लादेश में स्कूल जाना भी नहीं सुरक्षित, 5 साल में करीब 8 हजार बच्चों की मौत

ढाका एजेंसी। बांग्लादेश में सड़क हादसे के कारण बच्चों की मौत का आंकड़ा चिंताजनक है। मुंडा सेफ्टी फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020 से सितंबर 2026 तक देशभर में सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम 7,963 बच्चों की जान जा चुकी है। इनमें 2,513 बच्चे ऐसे थे, जिनकी मौत स्कूल-कॉलेज जाते समय या वहां से घर लौटते वक्त हुई। यह रिपोर्ट नौ राष्ट्रीय दैनिक अखबारों, 17 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय ऑनलाइन समाचार पोर्टलों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की खबरों और संगठन के अपने स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सड़क हादसों में जान गंवाने वाले बच्चों में 2,958 बच्चे

मोटरसाइकिल पर सवार थे, जो कुल मौतों का 37.14 प्रतिशत है। वहीं, 2,812 बच्चे पैदल चलते समय दुर्घटनाओं का शिकार हुए, जबकि 2,193 बच्चों की मौत अन्य वाहनों में सफर करने के दौरान हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, 962 बच्चों की मौत तब हुई जब वे अपने घरों के पास सड़कों पर खेल रहे थे। ग्रामीण सड़कों पर बच्चों की सबसे ज्यादा मौतें (2,713) दर्ज की गईं। इसके बाद क्षेत्रीय सड़कों पर 2,082, राजमार्गों (हाइवे) पर 1,974 और शहरी सड़कों पर 1,194 बच्चों की मौतें हुईं।

पैदल चलने वाले बच्चों में से 1,271 बच्चों की मौत तीन-पहिया वाहनों (जैसे छह्व ऑटो-रिक्शा और स्थानीय स्तर पर बने

ईरान पर कभी भी बरस सकते हैं अमेरिकी बम: ट्रंप बोले- आज हो सकता है हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संकेत दिया कि अमेरिका ईरान पर जल्द हमला कर सकता है। हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच बड़े समझौते की संभावना से भी इनकार नहीं किया। फ्लोरिडा में मिडटर्म चुनाव के लिए वोट डालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान पर हमला कल भी हो सकता है। लेकिन यह भी संभव है कि दोनों देश किसी अच्छे समझौते पर पहुंच जाएं। ईरान पर हमले से जुड़े सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि क्या किसी को लगता है कि वह पहले से बता देंगे कि आगे क्या करने वाले हैं उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या वह समझौते की शर्तों पर कायम रहेगा। उनके इस बयान से साफ है कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई और बातचीत, दोनों विकल्प खुले रखे हैं।

ट्रंप ने पश्चिम एशिया में अपनी सरकार की रणनीति का बचाव करते हुए अमेरिकी नौसेना और सेना की जमकर तारीफ की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सभी लड़ाकू विमानों को नष्ट कर दिया है और उसके 259 जहाज समुद्र में

डुबो दिए गए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान अब रिकॉर्ड तोड़ महंगाई जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। हालांकि, ये आंकड़े और दावे ट्रंप के बयान पर आधारित हैं। इस बीच, ईरान से जुड़ी तन्मीम समाचार एजेंसी ने दावा किया कि तेहरान ने पाकिस्तानी मध्यस्थों के सामने कोई नया प्रस्ताव नहीं रखा है। ईरान ने उस कथित प्रस्ताव को भी खारिज किया, जिसमें अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी हटाने के बदले होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की बात कही गई थी। प्रेस टीवी के मुताबिक, ईरानी सूत्रों ने सऊदी अरब के एक मीडिया संस्थान को इस खबर को झुठा और मनागृह्य बताया।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को लेकर ट्रंप ने उम्मीद जताई कि इसका समाधान निकल सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद अमेरिका दोनों देशों के साथ व्यापार करेगा।

डेमोक्रेट्स पर लगाए आरोप अमेरिकी राजनीति पर चोले हुए ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को निशाने पर लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कई शहरों और राज्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने इस बयान के दौरान कोई विस्तृत सबूत पेश नहीं किया।

गए। ये हमले ऐसे समय हुए हैं, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार की सेनाओं ने सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन से हूती लड़ाकों के खिलाफ अपना सैन्य अभियान तेज कर दिया है। इस अभियान को 'डॉन ऑफ यमन' नाम दिया गया है। इसके जवाब में हूती संगठन मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है।

सरिया ने एक अलग बयान में दावा किया कि हूती बलों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में अल-नस शिफर और एक नौसैनिक सैन्य अड्डे पर सऊदी समर्थित सैन्य जमावड़े को निशाना बनाया। अदन में यमन की सरकार का मुख्यालय है।

अदन में एयरपोर्ट और सैन्य ठिकानों के पास हमले: समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, एक स्थानीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन शहर की ओर करीब चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इनमें से कुछ अदन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और खोरमक्सर जिले में स्थित प्रमुख सैन्य ठिकानों के पास गिरीं। अधिकारी के अनुसार, एक अन्य मिसाइल अल-तवाही जिले में तटरक्षक बल के मुख्यालय पर गिरी।

यमन में 2014 से जारी है संघर्ष

उस समय हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना और देश के उत्तरी हिस्से के बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार के समर्थन में सैन्य हस्तक्षेप किया था।

इटली के ही रोम में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। अधिकारियों ने लक्जरी खरीदारी वाली सड़कों को बंद कर दिया। सर्कस मैक्सिमस और पियाजा डेल पोपोली के आसपास नियंत्रण बढ़ा दिए गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कोलोसियम में जबरन घुसने की कोशिश की, लेकिन बंदी से उन्हें बाहर निकाल दिया। अन्य जगहों पर, कई सी छात्रों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। उन्होंने साफ कहा कि उनके आंदोलन का मकसद उपद्रव, दंगा या तोड़फोड़ नहीं है। धुर-दक्षिणपंथी छात्र सच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकार्डो पोजियो ने कहा कि पिछले सप्ताह की तस्वीरें भयानक थीं। युवा पीढ़ी के अधिकांश छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं। उन लोगों से उनका सरोकार नहीं जो मुर्दों की आड़ में पूरे शहर को तबाह करने की मंशा रखते हैं। मध्य रोम में एक अलग युद्ध-विरोधी मार्च भी हुआ। आयोजकों ने संभावित अशांति से खुद को दूर रखने की कोशिश की। ली पेन छह महीने बाद होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में इम्यूनेल मेकॉ की जगह लेने के लिए अभियान की शुरुआत कर रही हैं और सर्वे बताते हैं कि वे दौड़ में सबसे आगे हैं। प्रदर्शनकारी मेकॉ और ली पेन दोनों का विरोध कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार भीड़ नारे लगाए-मेकॉ इस्तीफा दो, ली पेन जेल जाओ। पुलिस ने ऑरलियंस में प्रदर्शनकारियों की संख्या 11,000 बताई, जबकि आयोजकों का दावा था कि 26,000 लोग मौजूद थे। मजदूर यूनियनों, वामपंथी दलों और छात्र संगठनों सहित लगभग 50 संगठनों ने ली पेन की प्रवासी-विरोधी नीति के खिलाफ इस प्रदर्शन का आह्वान किया था। इटली में शनिवार को रोम और मिलान जैसे शहरों में हजारों छात्रों, युवाओं और नागरिकों ने प्रदर्शन किए और रैलियां निकालीं।

रोम में प्रदर्शनों का स्वरूप कैसा रहा



नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यही मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आध दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। टीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण

- पोषण प्राप्त होता है।
- सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फेट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रॉल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पोषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाएं पार कर नेशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।



शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। पानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशेंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइडेशन के मरीजों की मानो बढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइडेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती

- है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होंठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है। डिहाइडेशन से जुड़ा रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जुड़ा रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर घसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।



सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही मुख्य कम लगाने लगती है, पेट व त्वचा की गंभीर बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गंभीर को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पेर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गंभीर भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पत्ते के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिलिस की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गंभीर में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मूंगफली, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गंभीर समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।



हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिव्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पोषिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिवसी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुक उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा



- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिव्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।



गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।



डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सीफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कटुकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।



कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एप्पल, कैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डाइट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती है। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

सिलेरी जूस

(अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल

और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का

कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लॉटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।



वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

अंतर महाविद्यालयीन क्रॉस-कंट्री प्रतियोगिता में 7 जिलों के 70 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

दौड़ी प्रतिभा, राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की राह खुली विजेता जाएंगे कर्नाटक



बेमेतरा। अंतर महाविद्यालयीन क्रॉस-कंट्री प्रतियोगिता में 7 जिलों के 70 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, चयनित खिलाड़ी कर्नाटक में दिखाएंगे जोहर शासकीय कोदूराम दलित महाविद्यालय नवागढ़ में खेलों का उद्घाटन करने को मिला। हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के तत्वावधान में आयोजित अंतर महाविद्यालयीन क्रॉस-कंट्री प्रतियोगिता में बेमेतरा, दुर्ग, राजनांदगांव, खैरागढ़-हुईखदान-गंडई, कबीरधाम, मोहला-

मानपुर-अंबागढ़ चौकी और बालोद जिले के 70 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसमें 50 पुरुष और 20 महिला खिलाड़ी शामिल रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ सुबह 7 बजे शक्ति मंदिर नवागढ़ से हुआ। खिलाड़ी शक्ति मंदिर से नंदी चौक, मुरता, लालपुर और कोडिया होते हुए महाविद्यालय खेल मैदान तक दौड़े। पूरे मार्ग में खिलाड़ियों ने सहनशक्ति, गति और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष जाहिद बेग मुख्य अतिथि

के रूप में मौजूद रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य गिरीश कांत पांडेय ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक मुन्नालाल नंदेश्वर और पूर्व संचालक दिनेश नामदेव मौजूद रहे। जनभागीदारी समिति सदस्य दिनेश यादव, राहुल खुराना और हेमंत सोनकर भी उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन निर्मल कुमार ने दिया। आयोजन की जानकारी क्रीड़ा सहायक मणिशंकर साहू ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य

प्रतिभावन खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। यहां चयनित खिलाड़ी अब कर्नाटक में होने वाली अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन क्रॉस-कंट्री प्रतियोगिता में हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्य अतिथि जाहिद बेग ने कहा कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को इस तरह के मंच से आगे बढ़ने

का अवसर मिलता है। प्राचार्य गिरीश कांत पांडेय ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। क्रॉस-कंट्री से शारीरिक सहनशक्ति और लक्ष्य के प्रति समर्पण बढ़ता है। मुन्नालाल नंदेश्वर और दिनेश नामदेव ने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और अनुशासित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। समापन पर महाविद्यालय सभागार में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए। आभार राहुल ने व्यक्त किया।

पटवारियों की हड़ताल से धान खरीदी प्रभावित होने की आशंका, किसानों के नुकसान पर जताई चिंता

● **रामानुजगंज निवासी किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री विकास दुबे ने सरकार से जल्द समाधान निकालने की मांग की**



रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ में पटवारियों की हड़ताल को लेकर रामानुजगंज निवासी किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री विकास दुबे ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि पटवारियों की हड़ताल लंबी चलने से प्रदेश में धान खरीदी की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है, जिससे किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विकास दुबे ने कहा कि धान खरीदी का सीजन किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान राजस्व संबंधी कार्यों और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया में पटवारियों की अहम भूमिका रहती है। ऐसे में हड़ताल के कारण संबंधित कार्यों में देरी होने से

का समाधान नहीं किया गया, तो इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ सकता है। धान खरीदी में देरी होने से किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ने की आशंका है। किसान कांग्रेस प्रदेश महामंत्री विकास दुबे ने राज्य सरकार से मांग की कि पटवारी संघ के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनकी मांगों और समस्याओं का जल्द निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा रास्ता निकालना चाहिए, जिससे पटवारियों की समस्याओं का समाधान हो और धान खरीदी व्यवस्था भी प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर अपनी उपज बेचने का अवसर मिलना चाहिए।

विकसित भारत 2047 के संकल्प की दिशा में जनजातीय सशक्तीकरण पर जोर

● **बैगा महिलाओं को लघु वनोपज के संग्रहण, विपणन, समूह संचालन एवं स्वरोजगार का दिया गया प्रशिक्षण**



खैरागढ़। जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में जनजातीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्य से जिले में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में कलेक्टर कार्यालय के आर्यम जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार ग्राम

पंचायत सिंगारपुर के ग्राम बैगापारा (तुमड़ाबोड़) में बैगा जनजाति की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आजीविका के बेहतर अवसरों से जोड़ना, उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना तथा उपलब्ध स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आय के साधनों को सुदृढ़ करना रहा। प्रशिक्षण

कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), वन विभाग एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा महिलाओं को विभिन्न आजीविका गतिविधियों के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। महिलाओं को समूह संचालन, सामूहिक आजीविका गतिविधियों, लघु वनोपज के संग्रहण एवं ऋय-

विक्रय, तैदुपता संग्रहण तथा विपणन की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। इसके साथ ही बीमा संबंधी जानकारी देकर उन्हें उपलब्ध सुरक्षा एवं बीमा प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया। उद्योग विभाग द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन से जुड़ी गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय वन संसाधनों के बेहतर उपयोग, सामूहिक प्रयासों से आजीविका गतिविधियों के संचालन तथा लघु वनोपज के विपणन की प्रक्रियाओं को समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम जनजातीय महिलाओं की क्षमता वृद्धि, आर्थिक भागीदारी एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

● **तकनीकी कौशल से स्वरोजगार, आय में वृद्धि और महिला आत्मनिर्भरता को मिलेगा बढ़ावा**



धमतरी। जिले के वनांचल क्षेत्र में महिलाओं को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ने तथा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में ग्राम तुमड़ीबहार, विकासखंड नगरी में महिलाओं को शहद प्रसंस्करण (हनी प्रोसेसिंग) का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को शहद के प्रसंस्करण, गुणवत्ता बनाए रखने, सुरक्षित पैकेजिंग तथा विपणन के लिए आवश्यक तकनीकी

जानकारी देकर स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. अमित सिन्हा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी महिलाओं को शहद प्रसंस्करण में उपयोग होने वाली मशीनों के संचालन, रखरखाव और उनके सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी

गई। इसमें शहद गर्म करने, छानने, स्थिरीकरण तथा पैकेजिंग से संबंधित इकाइयों के संचालन का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। महिलाओं ने फिस्टर को जोड़ने, उसके सही उपयोग तथा सफाई की प्रक्रिया भी सीखी। इससे उन्हें शहद को स्वच्छ एवं व्यवस्थित तरीके से

प्रसंस्कृत करने की तकनीकी समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। इससे पूर्व, 17 सितंबर 2026 को भी इसी प्रकार का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि शहद प्रसंस्करण का कौशल ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका का एक उपयोगी माध्यम बन सकता है। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध शहद का उचित प्रसंस्करण, आकर्षक पैकेजिंग और बाजार की मांग के अनुरूप विक्रय करने से उत्पाद का बेहतर मूल्य प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ती हैं। महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सामूहिक रूप से यह गतिविधि अपनाकर स्थानीय बाजारों, दुकानों, मेलों तथा अन्य संभावित विक्रय माध्यमों तक अपनी पहुंच बना सकती हैं।

सड़कों के डामरीकरण कार्य का शुभारंभ उद्योग मंत्री देवांगन ने किया निरीक्षण



कोरबा। कोरबा शहर की प्रमुख सड़कों को बेहतर एवं सुगम बनाने की दिशा में डामरीकरण कार्य प्रारंभ हो गया। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन एवं महापौर संजु देवी राजपूत ने कार्यस्थल पर जाकर वहां चल रहे डामरीकरण कार्यों का अवलोकन तथा निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि उद्योग मंत्री देवांगन के प्रयासों से कोरबा नगर निगम क्षेत्र के 20 प्रमुख मार्गों के सड़क डामरीकरण कार्यों के लिए करीब 24 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इन विकास कार्यों का भूमिपूजन 19 अक्टूबर को कोसाबाड़ी चौक पर संपन्न हुआ था। इसके पश्चात

शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर डामरीकरण कार्य प्रारंभ किया गया। निरीक्षण के दौरान उद्योग मंत्री ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी स्वीकृत डामरीकरण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। ताकि नागरिकों को बेहतर एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। साथ ही निर्माण कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने और आम नागरिकों को आवागमन में अनावश्यक परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखने के निर्देश दिए।

आशीष के पास कमान, गुरुदयाल का लौट आया सामान, चौबे की लगने लगी चौपाल

बेमेतरा। जिले के तीनों विधानसभा में कांग्रेस के तीनों पूर्व विधायक चुनावी चौसर बिछाने में जुट गए हैं, बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के पास जिला अध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी है वे स्मार्ट मीटर सहित सभी मुद्दों पर राज्य सरकार को घेर रहे हैं, छाबड़ा के लिए स्मार्ट मीटर हीटर का काम कर रही है, वे अपने विधानसभा में आयोजन के बहाने सक्रिय हैं, छ नवागढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक गुरुदयाल बंजारे जो टिकट से वंचित होने के बाद सरकारी निवास खाली कर राजधानी लौट गए थे वे नवरात्रि में अष्टमी के दिन डेरा डंडी लेकर नवागढ़ आ गए हैं,



उनकी आगे की रणनीति का खुलासा होना बाकी है, पार्टी के आयोजन में वे शामिल हो रहे हैं, जिले के सबसे चर्चित विधानसभा साजा में पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे की चौपाल चर्चा में है, चौबे की चौपाल में 2028 का बिसात बिछाई जा रही है, लगभग सभी गांवों में एक दौर की बैठक

हो चुकी है छ राजनीति के जानकारों की माने तो दो बरसात आचार सहिता का समय निकाल दे तो समय कम ही बचा है सुनने सुनाने को, अब दिग्गजों के सभा के दिन आ गए हैं, इस लिहाज से हरेक दावेदार की सोच है मैं चुनाव मैदान में रहूँ न रहूँ मेरा बिना दूसरा कैसे रहेगा।

डोंगाकोहरोद में 27 से गूंजेगी राम नाम की गूंज अखंड नवधा रामायण का होगा आयोजन
जांजगीर चांथा। पामगढ़ के समीपस्थ ग्राम डोंगाकोहरोद में 27 अक्टूबर से राम नाम की गूंज सुनाई देगी, जहां अखंड नवधा रामायण का आयोजन रखा गया है। इस आयोजन में 26 अक्टूबर को कलश यात्रा निकाली जावेगी तपश्चात 27 अक्टूबर को सुबह से अखंड नवधा रामायण का शुभारंभ होगा। 14 नवंबर को कथा विश्राम होगी जिसके बाद 5 अक्टूबर को हवन सहस्त्रधारा, ब्रह्मण भोजन के साथ रामायण यज्ञ का समापन होगा। इस बीच 27 अक्टूबर से 4 अक्टूबर तक निरंतर रामचरितमानस की दोहा चौपाइयों का मानस मंडलियों द्वारा गायन के साथ प्रवचन किया जाएगा।

शहीद पुलिसकर्मियों की स्मृति में आयोजित हुई एकता दौड़, योग एवं प्राणायाम का दिया संदेश

रामानुजगंज। शहीद पुलिसकर्मियों की स्मृति में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की 12वीं वाहिनी, रामानुजगंज में एकता दौड़ का आयोजन किया गया।



इस अवसर पर पतंजलि कायाकल्प योग कक्षा के माध्यम से योग, व्यायाम एवं प्राणायाम के महत्व को बताते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान को याद करते हुए देशभक्ति, साहस, अनुशासन और आपसी एकता के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। योग एवं प्राणायाम को नियमित दिनचर्या में शामिल कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संदेश दिया गया कि योग



स्वस्थ जीवन का आधार है, जबकि एकता राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। शहीदों का त्याग और समर्पण सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा एवं कर्तव्यनिष्ठ की प्रेरणा

देता रहेगा। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को योग अपनाने, स्वस्थ रहने और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

इलेक्ट्रिशियन एवं सोलर टेक्नीशियन ट्रेड के 60 प्रशिक्षणार्थियों को मिलेगा 150-150 घंटे का औद्योगिक प्रशिक्षण

आईटीआई मेधा और सद्भाव रिन्यूएबल्स लिमिटेड के बीच कौशल प्रशिक्षण के लिए एमओयू

● **व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता और उद्योगों में रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में पहल**



धमतरी। जिले के युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी रूप से दक्ष बनाने तथा उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसी क्रम में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) मेधा, जिला धमतरी और सद्भाव रिन्यूएबल्स लिमिटेड, रायपुर के

मध्य कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है। एमओयू कलेक्टर अविनाश मिश्रा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा उपस्थित में हुआ। आईटीआई, मेधा की प्राचार्य

भूमिका साहू और सद्भाव रिन्यूएबल्स लिमिटेड से ललित नाहटा थे। इस एमओयू के तहत आईटीआई मेधा के इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के 20 तथा सोलर टेक्नीशियन ट्रेड के 40 प्रशिक्षणार्थियों सहित कुल 60 युवाओं को निर्धारित

पाठ्यक्रम के अनुरूप 150-150 घंटे का औद्योगिक प्रशिक्षण (ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग) प्रदान किया जाएगा। इसके माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को कक्षा में अर्जित सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक कार्यस्थल पर उपयोग करने, आधुनिक तकनीकों को समझने तथा उद्योगों की कार्यप्रणाली से परिचित होने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने कहा कि युवाओं को केवल शैक्षणिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक कौशल और उद्योगों में काम करने का

अनुभव उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। उद्योगों के साथ प्रशिक्षण संस्थानों का समन्वय युवाओं को रोजगार का वास्तविक जरूरतों के अनुरूप तैयार करने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से प्रशिक्षणार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, उनकी तकनीकी दक्षता विकसित होगी और रोजगार के लिए उनकी तैयारी अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने युवाओं को बदलती तकनीक के अनुरूप अपने कौशल को निरंतर उन्नत करने तथा उपलब्ध प्रशिक्षण अवसरों का पूरा लाभ

उठाने के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयंत नाहटा ने कहा कि युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण देना आवश्यक है। आईटीआई मेधा और सद्भाव रिन्यूएबल्स लिमिटेड के बीच हुआ यह एमओयू प्रशिक्षणार्थियों को कार्यक्षेत्र का अनुभव प्रदान करने तथा उनकी तकनीकी दक्षताओं को निखारने में उपयोगी साबित होगा। इससे युवाओं को रोजगार प्राप्त करने के साथ ही

भविष्य में स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के अवसर भी मिल सकेंगे। वर्तमान समय में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में सोलर टेक्नीशियन और इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के प्रशिक्षणार्थियों के लिए यह औद्योगिक प्रशिक्षण विशेष उपयोगी होगा। इसके माध्यम से वे विद्युत प्रणालियों, सौर ऊर्जा से संबंधित तकनीकी कार्यों तथा व्यावहारिक समझ विकसित कर सकेंगे। यह अनुभव उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठानों में रोजगार के अवसर

तलाशने के साथ-साथ अपनी दक्षता के आधार पर स्वरोजगार की संभावनाएं विकसित करने में भी मदद करेगा। यह पहल जिले में कौशल विकास को उद्योगों की जरूरतों से जोड़ने, युवाओं को कार्य के लिए तैयार करने तथा स्थानीय स्तर पर कुशल मानव संसाधन विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षण संस्थान और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय से युवाओं को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा और वे बदलती तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी क्षमता विकसित कर सकेंगे।